रीवा
14 जून 2026 रविवार

# दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

## : ब्रीफ बॉक्स :

नीट री-एग्जामिनेशन को लेकर सरकार अलर्ट

### कैबिनेट सचिव बोले- बाधा डालने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

**नई दिल्ली,एजेंसी।** नीट पुनर्परीक्षा को निष्पक्ष, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से आयोजित कराने के लिए केंद्र सरकार पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। इसी क्रम में कैबिनेट सेक्रेटरी डॉ. टीवी सोमनाथन ने शुक्रवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के डायरेक्टर जनरल के साथ एक बैठक में नीट री-एग्जामिनेशन की तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान, कैबिनेट सचिव ने सभी संबंधित पक्षों के बीच करीबी तालमेल के जरिए री-एग्जामिनेशन को सुचारू, पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से आयोजित कराने का निर्देश दिया। नीट परीक्षा अब 21 जून 2026 को फिर से आयोजित की जाएगी।

एसआईआर- 30 करोड़ वोटर कार्ड से धुंधले फोटो हटेंगे

### अब मकान नंबर की जगह '00' नहीं लिखा जाएगा, पता दर्ज होगा

**नई दिल्ली,एजेंसी ।** निर्वाचन

आयोग घर-घर जाकर वोटरों की पहचान करने के अंतिम दौर में पहुंच रहा है। अब बचे हुए 39 करोड़ 73 लाख वोटरों के दरवाजे पर दस्तक देने की तैयारी है। स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के बाद मतदाता फोटो पहचान पत्र यानी एपिक में क्या बड़े बदलाव आए हैं। एसआईआर के बाद अब तक तैयार 59 करोड़ मतदाताओं के फोटो न सिर्फ हाल ही के हैं, बल्कि रंगीन भी हैं।

चुनाव आयोग के 9 लाख 20 हजार से ज्यादा बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने मोबाइल से वोटरों के फोटो उनके पहचान पत्र के साथ जोड़कर मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाया है। इसके लिए बीएलओ ने कोई शुल्क नहीं लिया।

**पहले कार्ड में फोटो नहीं थे, या फिर बहुत धुंधले:** पहले दौर में बिहार और दूसरे चरण के 12 राज्यों के वोटरों की घर-घर जाकर पुष्टि के बाद 59 करोड़ वोटरों के नए पहचान पत्र बने हैं। इनमें सबसे बड़ा बदलाव कार्ड की फोटो का है। पहले के करीब 30% वोटर कार्ड में फोटो थे ही नहीं।

किसी में तो इतने धुंधले थे कि पहचानना मुश्किल था।

असम के जोरहाट एयरबेस पर हादसा

# एयरफोर्स का ट्रांसपोर्ट विमान क्रैश पायलट समेत 5 की मौत

## लैंडिंग के दौरान आग लगी, दो हिस्सों में टूटा

**जोरहाट,एजेंसी।** असम में जोरहाट के रौरिया एयरबेस पर शनिवार सुबह लैंडिंग के दौरान वायुसेना का विमान क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट समेत 5 जवानों की मौत हो गई। इनमें स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम शामिल हैं।

हादसा उस समय हुआ, जब विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था। हादसे के बाद उसमें आग लग गई और दो हिस्सों में टूट गया। यह एएन-32 मालवाहक विमान था, जिसका इस्तेमाल सैनिकों और सामान की ढुलाई के लिए किया जाता है। हादसे की वजह सामने नहीं आई है। वायु सेना ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए हैं।

### एएन-32 कार्गो प्लेन पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में भी उतरने में सक्षम

भारतीय वायु सेना के पास लगभग 100 एंटोनोव एएन-32 टैक्टिकल ट्रांसपोर्ट विमानों का बेड़ा है। हालांकि आईएएफ ने शुरू में सोवियत मूल के ऐसे 125 विमान खरीदे थे, लेकिन अब सक्रिय सेवा में विमानों की संख्या लगभग 100 रह गई है। एएन-32 ने 1980 से आईएएफ की मध्यम-भार परिवहन क्षमताओं की रीढ़ के तौर पर काम किया है। गर्म मौसम और हिमालय जैसे ऊंचे इलाकों में अभियान के दौरान इसकी मजबूती के कारण इसे काफी अहम माना जाता है।

**सोवियत दौर में बना था मालवाहक विमान:** AN-32 विमान, जो सोवियत दौर में बना था, भारतीय वायुसेना के लिए कई दशकों से एक अहम ट्रांसपोर्ट विमान रहा है। खासतौर पर पूर्वोत्तर और पहाड़ी इलाकों में सामान और जवानों को पहुंचाने में इसका बड़ा योगदान रहा है।

# अभिषेक बनर्जी के घर रात 3 बजे पुलिस की रेड

## चार घंटे तक तलाशी, बाहर केंद्रीय बल के जवान खड़े रहे; आरोपी- ताला तोड़कर घुसे

**कोलकाता,एजेंसी।** ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर पर कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार देर रात 3 बजे छापा मारा। पुलिस टीम केंद्रीय बल के जवानों के साथ पहुंची। पुलिस अधिकारी अंदर गए, जवान गेट के बाहर पहरा देते रहे। तलाशी अभियान करीब 4 घंटे तक चला।

छापे की सूचना मिलते ही ममता बनर्जी तुरंत अभिषेक के घर आईं, थोड़ी देर रुकीं फिर वापस चली गईं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक

यह छापेमारी अभिषेक के निजी सहायक सुमित रॉय का पता लगाने के लिए की गई थी।

सुमित के खिलाफ सालबोनी पुलिस स्टेशन में 'वित्तीय धोखाधड़ी' को लेकर मामला दर्ज है। तब से पुलिस सुमित की तलाश में है।

**तृणमूल कांग्रेस सांसद सागरिका घोष का दावा- छापेमारी में कुछ नहीं मिला...** तृणमूल कांग्रेस सांसद सागरिका घोष ने एक्स पर लिखा कि तलाशी के दौरान पुलिस को कुछ नहीं मिला। बस राजनीतिक बदले की भावना, डराना-धमकाना और मानसिक प्रताड़ना। 'ऑपरेशन लोटस' उन सभी नेताओं को निशाना बना रहा है, जो भारतीय जनता पार्टी के आदेशों के आगे झुकने से इनकार करते हैं। विपक्ष के खिलाफ बदले की भावना से किया गया काम है। यह घटिया हरकत है। शर्म की बात है।

1प्लेन के टॉयलेट स्पीकर से 4 करोड़ का सोना जत

# दो थैलियों में 24 सोने के बिस्कुट मिले, दुबई से अहमदाबाद पहुंची थी फ्लाइट

**अहमदाबाद ,एजेंसी।** अहमदाबाद एयरपोर्ट पर के एक प्लेन से चार किलो सोना बरामद किया गया है। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस (डीआरआई) के अधिकारियों ने प्लेन पर छापा मारा और प्लेन के टॉयलेट से बरामद किया। इंडिगो का यह प्लेन गुरुवार को दुबई से अहमदाबाद पहुंचा था। गोल्ड कौन लेकर आया था, इसकी जांच की जा रही है।

गुप्त सूचना के आधार पर अधिकारियों ने प्लेन की जांच की। जांच के दौरान टॉयलेट में लगे स्पीकर बॉक्स के अंदर दो थैलियां मिलीं। इन थैलियों में 24 सोने के बिस्किट्स रखे हुए थे।

**लैक कलर के टेप में लिपटे दो पाउच में था गोल्ड...** एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार अधिकारियों को प्लेन से गोल्ड स्मगलिंग की खुफिया जानकारी मिली थी। गुरुवार को जैसे ही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-1478 अहमदाबाद एयरपोर्ट पर पहुंची तो उसकी जांच शुरु की गई। टॉयलेट से पहले भी गोल्ड स्मगलिंग की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

## सबरीमाला सोना घोटाले मामले के दूसरे आरोपी मुरारी बाबू का निधन

### » सोने के पैनलों के गबन का था आरोप

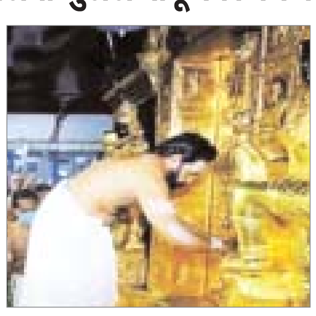

**तिरुवनंतपुरम,एजेंसी।** केरल के चर्चित सबरीमाला सोना घोटाले से जुड़े दूसरे आरोपी और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी मुरारी बाबू का शनिवार को निधन हो गया। वह कैंसर से पीड़ित थे और कोच्चि के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उनकी मौत ऐसे समय हुई है जब सबरीमाला मंदिर से जुड़े सोने की परत वाले पैनलों के कथित गबन और अन्य वित्तीय अनियमितताओं की जांच अब भी जारी है। इस मामले ने वर्षों से केरल की धार्मिक और प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक चर्चा पैदा की हुई है।

सबरीमाला मंदिर के दरवाजों के फ्रेम और द्वारपालक मूर्तियों पर लगे सोने की परत वाले पैनलों को हटाने और उनके कथित गबन को लेकर जांच शुरू हुई थी। आरोप था कि मंदिर से हटाए गए सोने की परत वाले पैनलों का सही रिकॉर्ड नहीं रखा गया और उनकी हेराफेरी की गई।

## देश के 25 राज्यों में 18 जून तक आंधी-पानी और ओलावृष्टि के आसार

### » मानसून पर छाया अल नीनो का साया

**नई दिल्ली,एजेंसी।** तेजी से आगे बढ़ रहे दक्षिण-पश्चिम मानसून और उत्तरी सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में व्यापक बदलाव आया है। पिछले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर से तटीय कर्नाटक तक गरज और चमक के साथ बारिश हुई है। साथ ही, अलग-अलग क्षेत्रों में 50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान ने भी कहर बरपाया है। बिहार में बिजली गिरने से 10

लोगों की जान चली गई है, पंजाब में भी वर्षा जनित घटनाओं में 3 लोगों की जान चली गई है। मौसम में यह बदलाव कम से कम 18 जून तक जारी रहने की प्रबल संभावना है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर, हापुड़, बिजनौर, शामली, मुरादाबाद, संभल, हाथरस और मथुरा में आंधी-तूफान और गरज के साथ बारिश हुई। हरियाणा के गोहाना, सोनीपत और रोहतक समेत कई जिलों में भी ऐसा ही हाल रहा। राजस्थान के डीग, भरतपुर, बयाना और धौलपुर में भी तेज हवाएं चलीं और छिटपुट बारिश दर्ज की गई। बिहार में बारिश के दौरान बिजली गिरने से खगड़िया में पांच लोगों की मौत हो गई और 7 लोग झुलस गए, जबकि भागलपुर, मधेपुरा, सहरसा और भोजपुर जिलों में भी वज्रपात से एक-एक लोगों की जान चली गई।

# भारतीय मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक डिफेंस सिस्टम का टेस्ट कामयाब

## 5000 किमी से आ रही मिसाइल को मार गिराएगा

### » यह तकनीक हासिल करने वाला भारत 5वां देश

**नई दिल्ली,एजेंसी।** भारत अब लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों, यहां तक कि अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों का भी मुकाबला कर सकता है। डीआरडीओ ने 10 और 11 जून को लगातार 3 उड़ान परीक्षण किए, जिनमें मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) सिस्टम का प्रदर्शन किया गया।

इसमें अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) श्रेणी तक के खतरों समेत बैलिस्टिक मिसाइलों को

रोकने और बेअसर करने की क्षमता भी शामिल है।

यह स्वदेशी तकनीक दुश्मन की मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले हवा में ही नष्ट कर देती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 13 जून को परीक्षण की तस्वीरें एक्स अकाउंट पर साझा की हैं।

इसके साथ-साथ नौसैनिक एंटी शिप मिसाइल-मध्यम दूरी का भी परीक्षण किया गया। इसे भारत की समुद्री प्रहार और रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। भारत अब उन खास देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास परिचालन स्तर की बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता है। भारत से पहले यह तकनीक अमेरिका, रूस, इजराइल और चीन के पास थी।

**क्या होती है अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल या आईसीबीएम...** आसान भाषा में अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल को बहुत लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल कहा जा सकता है। यह ऐसी मिसाइल होती है, जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक पहुंच सकती है। आमतौर पर 5,500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक मार कर सकती है। इसके अलावा यह परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम होती है। यह मिसाइल रॉकेट की तरह ऊपर अंतरिक्ष की ओर जाती है, फिर बहुत ऊंचाई से पृथ्वी की ओर लौटती है और बहुत तेज गति से लक्ष्य पर हमला करती है। इसी वजह से इसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली रणनीतिक हथियारों में गिना जाता है।

बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा आदेश

# बेरोजगार होने पर भी पुरुष को देना होगा बच्चों का भरण-पोषण

**मुंबई,एजेंसी।** बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक पिता को अपने बेटे और बेटी को हर महीने गुजारा-भत्ता देने का आदेश देते हुए कहा है कि कोई व्यक्ति सिर्फ बेरोजगार होने का हवाला देकर अपने बच्चों के प्रति अपनी कानूनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता।

बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच एक ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उसे अपने बच्चों को गुजारा-भत्ता देने के लिए कहा गया था।

**हर महीने 8 हजार रुपये गुजारा भत्ता देने के लिए कहा गया:** अमरावती के बुलढाणा के रहने वाले इस व्यक्ति को हर महीने कुल 8,000 रुपये का गुजारा-भत्ता देने के लिए कहा गया, जिसमें से 4,000 रुपये उसके बेटे को और 4,000 रुपये उसकी बेटी को देने थे। उन्होंने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया और तर्क दिया कि वे अभी बेरोजगार हैं और अपने बच्चों को आर्थिक सहायता देने में असमर्थ हैं। उसने दावा किया कि उसने अपना ऑटो-रिक्शा भी बेच दिया था, जो उसकी कमाई का एकमात्र जरिया था।

**बच्चों का पालन-पोषण करना पिता की जिम्मेदारी:** हालांकि, हाई कोर्ट ने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। पीठ ने कहा कि बच्चों का पालन-पोषण और भरण-पोषण करना पिता की कानूनी और व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। अदालत ने कहा कि उसके 10 और 7 साल के बच्चों की परवरिश और भविष्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अदालत ने कहा कि बेरोजगारी या कम आय बच्चों के प्रति जिम्मेदारी से बचने का कोई जायज आधार नहीं हो सकता। अदालत ने यह भी गौर किया कि पिता बच्चों को पहले तय की गई गुजारे-भत्ते की रकम का भुगतान करने में नाकाम रहे थे।

महंगाई दर लगातार पांचवें महीने बढ़ी:

# मई में 3.93% पहुंची, खाने-पीने की चीजें और ट्रांसपोर्टेशन महंगा हुआ

**नई दिल्ली,एजेंसी।** देश में खुदरा महंगाई की रफ्तार फिर बढ़ गई है। मई में यह बढ़कर 3.93% पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.48% थी। पिछले 5 महीनों में यह पहली बार है जब खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के टारगेट 4% के बेहद करीब पहुंच गई है। 2026 की शुरुआत में महंगाई दर काफी कम थी। जनवरी में यह 2.74% के स्तर पर थी, जो मई तक बढ़ते हुए 3.93% पर पहुंच गई है। पिछले महीने यानी अप्रैल के मुकाबले मई में खुदरा महंगाई में 0.45% की

**ग्रामीण इलाकों में खाने-पीने की चीजें ज्यादा महंगी हुईं....** इस बार भी महंगाई बढ़ने के पीछे सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दामों में आई तेजी है। मई में उपभोक्ता खाद्य महंगाई बढ़कर 4.78% पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 4.20% थी। खास बात यह है कि शहरों के मुकाबले ग्रामीण भारत में खाद्य महंगाई दर ज्यादा रही। मई में ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई 4.85% दर्ज की गई, जबकि शहरी केंद्रों में यह आंकड़ा 4.66% रहा।

बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मासिक आधार पर कीमतों में आया यह उछाल पिछले 16 महीनों में सबसे तेज है, जो दिखाता है कि बाजार में लगातार मूल्य दबाव बढ़ रहा है।

**सोने की कीमतों में तेजी से ज्वेलरी 56% से ज्यादा महंगी हुई:** इस बार वस्तुओं और विवेकाधीन (गैर-जरूरी) खर्चों में सबसे भारी उछाल देखा गया है। ज्वेलरी और कीमती धातुओं वाली व्यक्तिगत प्रभाव श्रेणी की महंगाई दर में रिकॉर्ड 56.35% की तेजी आई है। यह महंगाई के पूरे बास्केट में सबसे तेजी से बढ़ने वाला घटक बन गया है।

**महंगाई बढ़ी तो 0.50% तक ब्याज दरें बढ़ा सकता है आरबीआई:** महंगाई के इन नए आंकड़ों से RBI की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की चिंताएं बढ़ सकती हैं। कई अर्थशास्त्रियों ने पहले ही चेतावनी दी है कि ईंधन की बढ़ती लागत, आपूर्ति में रुकावटें और खराब मौसम के कारण खाद्य कीमतों पर जोखिम बना हुआ है। अगर महंगाई इसी तरह ऊंचे स्तर पर बनी रही, तो आरबीआई रेपो रेट में 0.50% तक की बढ़ोतरी कर सकता है।

**कमजोर मानसून का डर, 5% पार जा सकती है महंगाई दर:** आने वाले दिनों में महंगाई का परिदृश्य कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मौसम के जोखिमों के कारण काफी अनिश्चित हो गया है। अगर देश में मानसून कमजोर रहता है या अल नीनो का गंभीर असर दिखता है, तो खाद्य पदार्थों की कीमतें और ज्यादा बढ़ सकती हैं। दूसरी तरफ, वैश्विक स्तर पर महंगे तेल का बोझ अगर घरेलू ईंधन की कीमतों पर डाला जाता है, तो खुदरा महंगाई दर 5% के पार भी जा सकती है।

## जो विषय पसंद नहीं उसे पढ़ने के लिए किया गया मजबूर, लड़के ने पिता और बहन को उतारा मौत के घाट

**कोप्पल, एजेंसी।** कर्नाटक के कोप्पल में एक लड़के ने खौफनाक वारदार को अंजाम देते हुए अपने पिता और बहन को मौत की नींद सुला दिया। पुलिस जांच में पता चला कि वह इसलिए परेशान था क्योंकि उसे अपनी पसंद के विषय बायोलॉजी के बजाय कंप्यूटर साइंस पढ़ने के लिए मजबूर किया गया था। पहले यह खबर आई थी कि ऑनलाइन गेमिंग की लत कम करने की सलाह मिलने पर गुस्से में आकर उसने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस सूत्रों ने कानून के दायरे में आए नाबालिग के बयान का हवाला देते हुए बताया कि उसने एसएसएलसी परीक्षा में 90% से ज्यादा अंक हासिल किए थे और प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स में बायोलॉजी को एक विषय के तौर पर चुनने का इच्छुक था।

**कम्प्यूटर साइंस पढ़ने के लिए डाला गया दबाव:** हालांकि, खबरों के मुताबिक, उसके माता-पिता ने उस पर कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई करने का दबाव डाला था। सूत्रों ने आगे बताया कि लड़के को फर्स्ट-ईयर पीयू में कंप्यूटर साइंस में सिर्फ 40% मार्क्स मिले थे। उसे इस बात की चिंता थी कि अगर परिवार वालों को उसके परफॉर्मेंस के बारे में पता चला तो उस पर वही सब्जेक्ट पढ़ने का दबाव डाला जाएगा।

**जो विषय पसंद नहीं उसे पढ़ने के लिए किया गया मजबूर:** पुलिस के सामने दिए अपने बयान में, नाबालिग ने कथित तौर पर बताया कि उसके माता-पिता उसे लगातार पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कह रहे थे, जबकि उसे वह विषय पढ़ने के लिए मजबूर किया जा रहा था जो उसे पसंद नहीं था। उसने पुलिस को बताया कि उसने पढ़ा था कि गर्दन शरीर का बहुत संवेदनशील हिस्सा होता है और वहां चोट लगने से मौत हो सकती है, इसलिए उसने अपनी बहन, मां और पिता तीनों की गर्दन पर चाकू से वार किया। लड़के की मां का बल्लारी के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि 6 जून की रात को उसके चाकू मारने से उसके पिता और बहन की मौत हो गई थी।

# अराघची बोले- अमेरिका के साथ समझौता बेहद करीब; ट्रंप ने ईरानी विदेश मंत्री की पोस्ट शेयर की

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच कई महीनों से जारी तनाव और संघर्ष के बाद अब शांति की उम्मीदें मजबूत होती नजर आ रही हैं। दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रूथ सोशल पर ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची की समझौते से जुड़ी पोस्ट को री-पोस्ट किया है।

**अराघची ने दिया समझौते का संकेत:** ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन कभी इतना करीब नहीं रहा।' उन्होंने कहा कि समझौते को अंतिम रूप दिए जाने तक मीडिया को इसकी शर्तों को लेकर अटकलें लगाने से बचना चाहिए। अराघची ने यह भी कहा कि उनकी सरकार पारदर्शिता और जिम्मेदारी की नीति का पालन करती है और उचित समय पर समझौते की सभी जानकारियां सार्वजनिक की जाएंगी। ट्रंप द्वारा इस पोस्ट को साझा किए जाने के बाद माना जा रहा है कि दोनों पक्ष किसी बड़े समझौते के बेहद करीब पहुंच चुके हैं।

**'सिर्फ डील साइन करने पर नहीं मिलेगा पैसा':** अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते पर हस्ताक्षर होते ही तेहरान को बड़ी आर्थिक राहत या नकद सहायता मिलेगी। वेंस ने इन खबरों को भ्रामक बताते हुए कहा कि केवल किसी समझौते पर हस्ताक्षर करने या वार्ता में शामिल होने के बदले ईरान को कोई धनराशि नहीं दी जाएगी।

### तीन दिन की झड़पों के बाद बढ़ी शांति की उम्मीद

हाल के दिनों में अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच सैन्य तनाव ने पूरे पश्चिम एशिया को एक बार फिर बड़े युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया था। हालांकि अप्रैल से लागू संघर्षविराम के बाद बातचीत का दौर जारी रहा और अब समझौते की संभावनाएं मजबूत होती दिखाई दे रही हैं। सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने, संवेदनशील परमाणु सामग्री को नष्ट करने और आतंकवादी संगठनों को वित्तीय सहायता नहीं देने जैसी शर्तें शामिल हैं।

## ट्रंप का दावा: अमेरिकी हमले में ट्रेन डी अरागुआ गैंग का सरगना ढेर, यूएस में हिंसा और नशे के लिए जिम्मेदार था

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने एक सैन्य अभियान में कुख्यात आपराधिक संगठन ट्रेन डी आरगुआ के सरगना हेक्टर रश्टेनफोर्ड गुएरो फ्लोरेस को ढेर कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि यह कार्रवाई वेनेजुएला के सहयोग से की गई। अमेरिका पहले ही ट्रेन डी अरागुआ को आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है।

**50 लाख डॉलर का था इनाम:** अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सप्ताह की शुरुआत में वेनेजुएला में गैंग के एक ठिकाने पर यह सैन्य कार्रवाई की गई थी। गुरेरो फ्लोरेस पर न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत में आपराधिक साजिश रचने, आतंकवादियों को समर्थन देने और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप लगाए गए थे। अमेरिकी विदेश विभाग ने उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने वालों के लिए 50 लाख डॉलर तक के इनाम की घोषणा की थी। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'ट्रेन डी अरागुआ के आतंकवादियों के लिए अब वेनेजुएला या दुनिया के किसी भी हिस्से में सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है। मेरे नेतृत्व में हम इन खूंखार हत्यारों और ड्रग माफियाओं को कहीं भी खोज निकालेंगे और उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाएंगे।' हालांकि, इस अभियान को लेकर वेनेजुएला की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

**गैंग पर पहले भी कार्रवाई:** ट्रंप प्रशासन ने हाल के महीनों में इस गैंग के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए हैं। प्रशासन ने नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप में इस गैंग की छोटी नौकाओं को निशाना बनाकर कई सैन्य हमले किए हैं।

# दक्षिणी लेबनान के पास इस्राइल ने ड्रोन मार गिराए, फ्रांस बोला- अब समझौते का मौका न गंवाएं

**वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में तनाव और कूटनीति एक साथ चल रहे हैं। इस्राइल ने लेबनान सीमा के पास कई ड्रोन मार गिराने का दावा किया है, वहीं फ्रांस ने अमेरिका और ईरान से शांति समझौते की अपील की है। इस बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम और लेबनान संघर्ष को लेकर भी बड़े संकेत दिए हैं। संयुक्त अरब अमीरात (९श्व) के विदेश मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि ईरान को 3 अरब अमेरिकी डॉलर ट्रांसफर किए गए हैं। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया कि ये सभी आरोप पूरी तरह गलत और निराधार हैं। यूएई के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर जारी संदेश में कहा गया कि ईरान के किसी भी फ्रीज किए गए फंड को न तो जारी किया गया है, न ही ट्रांसफर किया गया है और न ही यूएई के माध्यम से किसी भी प्रकार से इसकी सुविधा दी गई है।

मंत्रालय ने मीडिया संस्थानों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें और खबरों की सटीकता की पुष्टि के बाद ही उन्हें प्रकाशित करें।

**ईरान ने खोले समझौते के पत्ते:** ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ संभावित समझौते को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित समझौता केवल परमाणु कार्यक्रम तक सीमित नहीं होगा, बल्कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, फ्रीज हुए ईरानी फंड की रिहाई, होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति और ईरान की संप्रभुता के सम्मान जैसे मुद्दे भी शामिल होंगे। अराघची ने स्पष्ट किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान और ओमान का अधिकार बना रहेगा और भविष्य में इसकी व्यवस्था पहले जैसी नहीं होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि संवर्धित यूरेनियम का कोई भी प्रबंधन ईरान के भीतर ही किया जाएगा। लेबनान में हिजबुल्ला को लेकर भी उन्होंने साफ संकेत दिया कि ईरान अपने सहयोगी संगठन का साथ नहीं छोड़ेगा।

**फ्रांस ने अमेरिका और ईरान से समझौते का मौका नहीं गंवाने की अपील की:** फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बारो ने कहा कि अमेरिका और ईरान दोनों पक्षों में समझौते को लेकर वास्तविक इच्छा दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति किसी के हित में नहीं है और दोनों देशों को इस अवसर का लाभ उठाकर तनाव समाप्त करना चाहिए। बारो ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार सुबह ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से बातचीत की और उन्हें भी यही संदेश दिया। फ्रांसीसी विदेश मंत्री ने हालांकि सावधानी बरतते हुए कहा कि समझौते को लेकर सकारात्मक संकेत लगातार बढ़ रहे हैं।

**लेबनान सीमा पर ड्रोन अलर्ट, इस्राइल ने किया इंटरसेप्ट:** इस्राइली सेना के अनुसार, उत्तरी इस्राइल में अलर्ट जारी होने के बाद वायुसेना ने दक्षिणी लेबनान के पास उड़ रहे कई ड्रोन को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर लिया। सेना ने बताया कि एक अन्य ड्रोन लेबनान सीमा के नजदीक इस्राइली क्षेत्र में गिरा, हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। पश्चिम एशिया में तनाव और कूटनीति एक साथ चल रहे हैं। इस्राइल ने लेबनान सीमा के पास कई ड्रोन मार गिराने का दावा किया है, वहीं फ्रांस ने अमेरिका और ईरान से शांति समझौते की अपील की है इस बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम और लेबनान संघर्ष को लेकर भी बड़े संकेत दिए हैं।

# श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों के लिए ऑनलाइन विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

## सांकेत वाणी ऐप सहित विभिन्न विधिक सेवाओं से अवगत हुए दिव्यांगजन

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एवं कार्यपालक अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण विवेक रूसिया के मार्गदर्शन में श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों को उनके विधिक अधिकारों, संवैधानिक संरक्षण, शासकीय कल्याणकारी योजनाओं तथा नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेशव्यापी ऑनलाइन विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति विवेक रूसिया एवं न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। दिव्यांग प्रतिभागियों की सुविधा के लिए सांकेतिक भाषा दुभाषियों की विशेष व्यवस्था की गई, जिससे कार्यक्रम की जानकारी सरल, सुगम एवं प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जा सके। कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांगजनों को उनके विधिक अधिकारों शासकीय योजनाओं तथा नि:शुल्क विधिक सेवाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर के निर्देशन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के समन्वय से एडीआर सेंटर भवन में ऑनलाइन विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रदर्शित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रवण एवं वाक् बाधित दिव्यांगजनों ने सहभागिता की कार्यक्रम के दौरान कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति विवेक रूसिया ने श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों की सुविधा हेतु विकसित 'सांकेत वाणी ऐप' की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से दिव्यांगजन अपनी सांकेतिक भाषा में वीडियो रिकॉर्ड कर अपलोड कर सकते हैं। अपलोड किए गए वीडियो का विशेषज्ञों द्वारा अनुवाद किया जाएगा, जिससे उनकी समस्याओं शिकायतों एवं आवश्यकताओं को समझने में आसानी होगी यह ऐप दिव्यांगजनों और न्यायिक संस्थाओं के मध्य संवाद की बाधाओं को कम करने तथा न्याय तक उनकी पहुंच को अधिक सरल सुलभ और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट की एमसीपीसी की वरिष्ठ प्रशिक्षक अनुजा सक्सेना ने श्रवण बाधित समुदाय के लिए सुलभ विवाद समाधान की जानकारी प्रदान की। आयुक्त नि:शक्तजन मध्यप्रदेश शासन अजय खेमरिया ने पेंशन, छात्रवृत्ति सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। वहीं योग विशेषज्ञ डॉ. पराग जैन ने तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए शिविर में श्रवण बाधित प्रशिक्षकों द्वारा संपूर्ण जानकारी सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत की गई। प्रतिभागियों को उनके अधिकारों के साथ-साथ राष्ट्रगान एवं नालसा थीम सॉन्ग का अर्थ भी सांकेतिक भाषा में समझाया गया, जिससे वे राष्ट्र की मुख्यधारा से और अधिक जुड़ाव महसूस कर सकें। कार्यक्रम के दौरान समुदाय के सदस्यों ने अपने अनुभव साझा किए तथा समापन सत्र में गुरमुख सिंह लाम्बा एवं वी. करूणा राव द्वारा विभिन्न संवादात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में दिव्यांगजनों एवं उनके परिजनों को उनके अधिकारों तथा उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को विधिक सेवाओं से जोड़ना रहा कार्यक्रम में समस्त न्यायाधीशगण, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ, जिला विधिक सहायता अधिकारी, समस्त लीगल एड डिफेंस कार्उंसिल के सदस्य, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का स्टाफ दिव्यांगजन एवं उनके परिजन उपस्थित रहे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी ने बताया कि दिव्यांगजनों के हित में भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता एवं विधिक साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

### कुसमी में चार दिवसीय शिक्षक प्रेरणा एवं दक्षता संवर्धन कार्यशाला संपन्न, 709 शिक्षकों ने लिया प्रशिक्षण

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार विकासखंड कुसमी में आयोजित चार दिवसीय शिक्षक प्रेरणा एवं दक्षता संवर्धन कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। कार्यशाला का आयोजन दो चरणों में 10 से 11 जून तथा 12 से 13 जून 2026 तक किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों के व्यक्तित्व विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, विद्यालयों में सकारात्मक वातावरण निर्माण तथा विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना रहा बीआरसीसी कुसमी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि प्रशिक्षण के प्रथम बैच में 329 तथा द्वितीय बैच में 380 शिक्षकों ने सहभागिता की इस प्रकार कुल 709 शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का संचालन 9 कक्षों में 18 मास्टर ट्रेनरों द्वारा किया गया कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को विद्यालय विकास एवं प्रबंधन प्रभावी शिक्षण कौशल टीचिंग-लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) के उपयोग, प्रयोगशालाओं एवं पुस्तकालयों के शैक्षणिक उपयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 (एनसीएफ-2023), शिक्षा में नवाचार, सदाचार एवं शिष्टाचार, शैक्षिक संवाद तथा विद्यार्थियों के अधिगम परिणामों में सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया प्रशिक्षण में नेतृत्व क्षमता एवं टीमवर्क, समावेशी शिक्षा, शिक्षक दक्षता संवर्धन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, एनसीएफ-2023 को विद्यालय स्तर पर लागू करने तथा मिशन अंकुर के माध्यम से बच्चों को निपुण बनाने संबंधी विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई उजियार कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि प्रत्येक बसाहट में 15 वर्ष से अधिक आयु के निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने के लिए नियमित साक्षरता कक्षाओं का संचालन किया जाना चाहिए। प्रशिक्षण में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के साथ-साथ शिक्षकों में स्व-प्रेरणा आत्मविश्वास, आत्मसम्मान सकारात्मक कार्य संस्कृति एवं नवाचार आधारित शिक्षण दृष्टिकोण विकसित करने पर विशेष बल दिया गया कार्यशाला के माध्यम से शिक्षकों को नवीन शैक्षणिक अवधारणाओं नवाचारों और व्यवहारिक शिक्षण तकनीकों से परिचित कराया गया।

## बी-पैक्स सोनवर्षा एवं बघौड़ी का शुभारंभ किसानों को गांव में ही मिलेंगी सहकारी सुविधाएं : विधायक

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** विधानसभा क्षेत्र सिहावल अंतर्गत बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (बी-पैक्स) सोनवर्षा एवं बघौड़ी के नवीन समिति कार्यालयों का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन, मंत्रोच्चार एवं फीता काटकर समिति कार्यालयों का शुभारंभ किया इस अवसर पर विधायक विश्वामित्र पाठक ने कहा कि कृषि प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है तथा किसानों की समृद्धि के बिना ग्रामीण विकास की कल्पना अधूरी है उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसानों को संगठित कर उन्हें आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है बी-पैक्स व्यवस्था किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है विधायक पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने तथा कृषि लागत कम करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बी-पैक्स के माध्यम से किसानों को खाद, बीज, ऋण, मृदा परीक्षण, कृषि सलाह एवं अन्य सहकारी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी, जिससे उन्हें अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलेगी और समय तथा संसाधनों की बचत होगी उन्होंने कहा कि सहकारिता का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास है और इसी भावना के साथ स्थापित बी-पैक्स सोनवर्षा एवं बघौड़ी क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होंगे। इससे कृषि उत्पादन बढ़ाने, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने तथा किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने किसानों से समितियों का अधिकतम लाभ लेने तथा सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने का आह्वान किया कार्यक्रम में जयशंकर प्रसाद द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिहावल रोहित उपाध्याय, सीईओ सहकारिता आशय तिवारी, सहकारी समिति निरीक्षक गणेश चंद्रवंशी, नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी राकेश सिंह वैश सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

## खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को दिया गया संतुलित उर्वरक उपयोग एवं प्राकृतिक खेती का संदेश

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर के दूसरे दिन का आयोजन कृषक कल्याण वर्ष-2026 को समर्पित किया गया। शिविर में किसानों को कृषि, उद्यानिकी पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ खेत बचाओ अभियान के तहत मृदा स्वास्थ्य संरक्षण संतुलित उर्वरक उपयोग जल संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक किया गया कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी मझौली आर.पी. त्रिपाठी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मझौली सुरभि श्रीवास्तव उपस्थित रहीं उन्होंने किसानों से शासन की कृषि हितैषी योजनाओं का लाभ लेने तथा वैज्ञानिक एवं टिकाऊ खेती को अपनाने का आह्वान किया कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास आर.एस. गुप्ता ने बताया कि किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत संचालित खेत बचाओ अभियान का उद्देश्य किसानों को ई-विकास प्रणाली के माध्यम से संतुलित उर्वरक उपयोग मृदा स्वास्थ्य संरक्षण जल संरक्षण तथा कृषि एवं उद्यानिकी फसलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना है उन्होंने कहा कि स्वस्थ मिट्टी ही टिकाऊ कृषि और बेहतर उत्पादन का आधार है। मृदा स्वास्थ्य में सुधार कर खेती की लागत कम की जा सकती है तथा पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है किसानों को मृदा परीक्षण के महत्व जैविक एवं प्राकृतिक कृषि तकनीकों रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग, फसल अवशेष प्रबंधन तथा फसल विविधीकरण के लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में सहायक संचालक कृषि सत्येन्द्र सिंह रघुवंशी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पुष्पेन्द्र वर्मा, कृषि विस्तार अधिकारी किशोर रावत एवं सुनीता रावत, एटीएम राकेश बहादुर सिंह तथा उद्यानिकी विभाग से चेतन शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

### प्रश्नपत्र प्रकरण में महाविद्यालय की कोई भूमिका नहीं, निष्पक्ष जांच के बाद होगी विधिसम्मत कार्रवाई : प्राचार्य

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने 3 जून 2026 को आयोजित परीक्षा के प्रश्नपत्र से संबंधित वायरल वीडियो एवं सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही भ्रामक जानकारियों पर स्पष्टीकरण जारी किया है डॉ. सिंह ने कहा कि महाविद्यालय परिवार विगत कई दशकों से विद्यार्थियों के हित में गुणवत्तापूर्ण, सस्ती एवं सर्वसुलभ शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। महाविद्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी छात्र कल्याण तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयासरत हैं उन्होंने बताया कि 3 जून 2026 को आयोजित परीक्षा का प्रश्नपत्र बाह्य परीक्षक द्वारा तैयार किया गया था, जो महाविद्यालय को 7 अप्रैल 2026 को प्राप्त हुआ था। जबकि विवादित प्रश्नपत्र का वीडियो यूट्यूब चौनल ब्वउउमतबम भ्वतप्रवद पर 5 अप्रैल 2026 को ही अपलोड किया जा चुका था इससे स्पष्ट है कि संबंधित सामग्री महाविद्यालय को प्रश्नपत्र प्राप्त होने से पूर्व ही सार्वजनिक मंच पर उपलब्ध थी प्राचार्य ने कहा कि इस तथ्य के बावजूद महाविद्यालय को मामले से जोड़कर किया जा रहा प्रचार पूरी तरह भ्रामक है उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रश्नपत्र के कथित लीक होने अथवा उसके पूर्व प्रसारण में महाविद्यालय की किसी प्रकार की भूमिका नहीं है डॉ. प्रभाकर सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही महाविद्यालय प्रशासन द्वारा आवश्यक एवं समुचित कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई थी।

## आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट देने की मांग, 16 जून को पीएम के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) 2009 लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से मुक्त किए जाने की मांग को लेकर मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस 16 जून को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेगी यह ज्ञापन जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शिवेन्द्र पाण्डेय ने जिले के समस्त शिक्षकों, शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों तथा शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मचारियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है उन्होंने बताया कि 16 जून को शाम 5 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिले भर से शिक्षक एकत्रित होकर अपनी मांग को मजबूती देंगे शिवेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि आरटीई अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों की भर्ती उस समय लागू नियमों, निर्धारित शैक्षणिक योग्यताओं और विधिवत चयन प्रक्रिया के तहत हुई थी। ऐसे शिक्षक वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं उनके अनुभव कार्यकुशलता और सेवाओं को देखते हुए उन्हें पुन: शिक्षक पात्रता परीक्षा के दायरे में लाना उचित नहीं है उन्होंने कहा कि टीईटी व्यवस्था नई नियुक्तियों में शिक्षण गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू की गई थी जबकि पुराने शिक्षकों ने अपनी सेवाओं के माध्यम से अपनी योग्यता और दक्षता पहले ही सिद्ध कर दी है। लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों पर पुन: पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता थोपना उनके मनोबल को प्रभावित कर सकता है मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस ने केंद्र सरकार से मांग की है कि आरटीई एक्ट 2009 लागू होने से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से पूर्ण छूट प्रदान की जाए संगठन का मानना है कि इससे शिक्षकों के सेवा अधिकार सुरक्षित होंगे तथा शिक्षा व्यवस्था में स्थिरता और सकारात्मक वातावरण बना रहेगा।

## सूचना देने वाले को 10 हजार इनाम : जियावन थाने में शिकायत के बाद भी नहीं मिला सुरागचार भैंसें लापता

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** सिंगरौली जिले के देवसर क्षेत्र से चार भैंसें लापता हो गई हैं जियावन थाने में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिला, जिसके बाद पशुपालकों ने सूचना देने वाले को 10 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है यह घटना जियावन थाना क्षेत्र के ग्राम बूढ़ाडाण में 5 जून 2026 की शाम करीब 4 बजे हुई। पशुपालकों ने पहले अपने स्तर पर आसपास के गांवों और बाजारों में भैंसों की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद0 उन्होंने जियावन थाने में शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने भी अपनी ओर से खोजबीन शुरू की, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी लापता भैंसों का कोई पता नहीं चल सका लापता पशुओं में एक मुर्रा भैंस, गले में घंटी बंधी एक मुर्रा जैसी भैंस, दोनों सींगों की पुली टूटी हुई एक देशी भैंस और लगभग तीन वर्ष का एक काला पाड़ा शामिल है सभी पशु काले रंग के हैं।

**पशु मालिकों ने की इनाम की घोषणा:** पशु स्वामी मनोज कुमार द्विवेदी, शीतल विश्वकर्मा और गड्डू ने यह इनाम घोषित किया है उन्होंने कहा कि भैंसों के संबंध में सही और उपयोगी जानकारी देने वाले को 10 हजार रुपए का नकद इनाम दिया जाएगा सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा ग्रामीणों के अनुसार पशुपालकों के लिए भैंसें आय का मुख्य स्त्रोत होती हैं ऐसे में चार भैंसों का एक साथ गायब होना परिवारों के लिए बड़ी आर्थिक चिंता का विषय बन गया है। फिलहाल पशुपालक और पुलिस दोनों भैंसों की तलाश में जुटे हुए हैं।

## पचौर तालाब से अवैध मिट्टी खनन पर बड़ी कार्रवाई, ग्रामीणों की शिकायत पर प्रशासन ने मारा छापा हाईवा और पीसी मशीन जब्त

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** जिले के बरगवां तहसील अंतर्गत ग्राम पचौर में शासकीय तालाब से हो रहे अवैध मिट्टी खनन के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मौके से हाईवा वाहन और पीसी मशीन को जब्त कर लिया यह कार्रवाई तहसीलदार दीपेंद्र सिंह तिवारी के नेतृत्व में राजस्व अमले द्वारा की गई जिसमें खनन गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया कैसे सामने आया मामला स्थानीय ग्रामीणों द्वारा लगातार की जा रही शिकायतों के बाद प्रशासन हरकत में आया ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि पचौर स्थित शासकीय तालाब से बिना अनुमति बड़े पैमाने पर मिट्टी की खुदाई की जा रही है और इसे बाहर ले जाया जा रहा है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर दबिश दी।

**मौके पर क्या मिला:** छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने पाया कि तालाब में पीसी मशीन के माध्यम से अवैध रूप से खुदाई की जा रही थी। निकाली गई मिट्टी को हाईवा वाहनों में भरकर देवरा स्थित एक निजी रेलवे साइडिंग तक पहुंचाया जा रहा था प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि यह मिट्टी टीएचडीसी परियोजना से जुड़ी सिमकोन कंपनी के कार्यों में उपयोग की जा रही थी।

**प्रशासन की कार्रवाई:** मौके पर मौजूद टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए खनन कार्य को रुकवाया और पीसी मशीन के साथ-साथ हाईवा वाहनों को जब्त कर लिया तहसीलदार दीपेंद्र सिंह तिवारी ने स्पष्ट कहा कि शासकीय भूमि तालाब या किसी भी सार्वजनिक संपत्ति पर अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने यह भी बताया कि क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है और आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी।

**ग्रामीणों की प्रतिक्रिया:** स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत किया है उनका कहना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाया जाता तो तालाब पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकता था जिससे जल संग्रहण क्षमता पर गंभीर प्रभाव पड़ता ग्रामीणों ने मांग की कि भविष्य में भी ऐसे मामलों पर सख्त निगरानी रखी जाए।

**आगे की जांच:** राजस्व और खनिज विभाग द्वारा मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

### बरगवां हादसे के बाद NH-39 जाम करने वालों पर FIR : थाना प्रभारी बोले-यह अपराध है

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** सिंगरौली जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में सड़क हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-39 जाम करने वाले 30 से अधिक लोगों के खिलाफ पुलिस ने शनिवार को मामला दर्ज किया है पुलिस ने इस कार्रवाई के जरिए कानून हाथ में लेने वालों को सख्त संदेश दिया है यह घटना गुरुवार को बरगवां के बेटहाड़ांड क्षेत्र में हुई थी एक ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार सीताराम पाल की मौत हो गई थी हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मृतक के शव को सड़क पर रखकर राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर चक्काजाम कर दिया था इस कारण करीब पांच घंटे तक हाईवे पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही जिससे दोनों ओर लंबा जाम लग गया और आम यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा पुलिस जांच के बाद चक्काजाम में शामिल लोगों की पहचान की गई। पुलिस ने राजू वैश्य, रामदेव पाल, कमल कुशवाहा, सुरेंद्र कुशवाहा, श्यामधारी कुशवाहा, रामानुज पाल सहित 30 से अधिक लोगों के खिलाफ विभिन्न कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। बरगवां थाना पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है बरगवां थाना प्रभारी मोहम्मद समीर ने बताया कि सड़क जाम करना कानूनन अपराध है किसी भी दुर्घटना के बाद सार्वजनिक मार्ग को बाधित नहीं किया जा सकता उन्होंने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुसार सड़क जाम करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की कि किसी भी समस्या या घटना की जानकारी पुलिस और प्रशासन को दें, लेकिन कानून हाथ में न लें।

# निरंकुशता के निशाने:अक्षम्य है भारतीय नाविकों का मारा जाना

संपादकीय

खाड़ी में ईरान की नाकेबंदी की कवायद के दौरान अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों का मारा जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। जिसको लेकर देश में गम व गुस्सा व्याप्त है। यूं तो कहा जाता रहा है कि भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है और क्वॉड जैसे संगठनों में भूमिका निभा रहा है, तो फिर लगातार भारत के हितों पर कुठाराघात क्यों किया जा रहा है? भले ही अमेरिका ईरान की तेल निर्यात से होने वाली आय रोकने व युद्ध समाप्त करने हेतु समझौते के लिये दबाव बनाने हेतु ये आक्रामक नीति अपना रहा हो। लेकिन जिन देशों का युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है, उनके नागरिकों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? हाल में भारतीय चालक दल वाले तीन टैंकरों को अमेरिकी सेना द्वारा निशाना बनाया गया है। इसमें से, ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय चालक दल के तीन सदस्य मारे गये हैं। जिससे भारत व अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। वैसे औपचारिक विरोध दर्ज करते हुए भारत ने दिल्ली में एक अमेरिकी राजनयिक को तलब भी किया है। इसके बावजूद भारत के खिलाफ लगातार नकारात्मक रवैया दर्शाने वाले अमेरिका के खिलाफ सख्त स्टैंड लेने की मांग की जा रही है। इसके बावजूद कि भारत क्वॉड में अमेरिका का साझेदार है। विडंबना यह भी है कि जो सूत्रधार संगठन के जरिये समुद्री आवाजाही को स्वतंत्र बनाने की बात करता है, वही अमेरिका इसमें बाधक बना है। भले ही अमेरिका इन जहाजों के प्रतिबंधित होने की बात कहे, या जहाज भारतीय न हों, लेकिन उनमें चालक दल के सदस्य तो भारतीय थे। इसकी जानकारी स्वाभाविक रूप से अमेरिका के खुफिया तंत्र को जरूर रही होगी। अमेरिका को सार्वजनिक रूप से भारतीय नाविकों के मारे जाने पर खेद जताना चाहिए। निश्चय ही भारत के निकट के समुद्री क्षेत्र में अमेरिका का निरंकुश व्यवहार निंदनीय है। कूटनीतिज्ञ विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भारत को इस मुद्दे को सख्ती से अमेरिका के सामने उठाना चाहिए था। तमाम भारतीयों को इस मामले में विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया उदार लगती है। सवाल पूछा जा रहा है कि यदि तीन अमेरिकी नागरिक मारे जाते तो क्या अमेरिका चुप बैठता? कहा जा रहा है कि भारत का कड़ा विरोध सामने न आने के कारण होर्मुज स्ट्रेट के पास पलाऊ के झंडे वाले टैंकर पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय के मारे जाने की घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कम चर्चा हुई है। विडंबना है कि अमेरिकी सेना ने एक सप्ताह में भारतीय चालक दल वाले तीन टैंकरों को निशाना बनाया। हालांकि, सोमवार को हुए हवाई हमले के बाद ओमानी अधिकारियों ने 24 भारतीयों को सुरक्षित निकाल लिया था। दरअसल, ट्रंप प्रशासन की निरंकुशता के चलते ही अमेरिका रवैया वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। आखिर अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्र में कारोबारी जहाजों को निशाना बनाने का क्या औचित्य है? अमेरिका को यह अधिकार किसने दे दिया कि वह तटस्थ देशों के नागरिकों को निशाना बनाये? क्यों भारतीय नागरिक अमेरिका व ईरान के बीच जारी संघर्ष की कीमत चुकाएं? इस तरह का शक्ति प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सीधा उल्लंघन है तथा स्वतंत्र नौवहन के मार्ग में बाधक है।

## मीनाक्षी नटराजन के पास चुनाव याचिका का विकल्प?

**सौरभ वार्ष्णेय**

मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने और उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से तत्काल राहत न मिलने के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या उनके पास अब भी कोई कानूनी विकल्प बचा है। इसका उत्तर है–हाँ, चुनाव याचिका का विकल्प अभी भी उपलब्ध हो सकता है, लेकिन वह चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 329 स्पष्ट करता है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान अदालतें सामान्यतः हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। चुनाव की वैधता को चुनौती देने का उचित माध्यम चुनाव संपन्न होने के बाद चुनाव याचिका होती है। इसी संवैधानिक प्रावधान का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन की याचिका पर तत्काल हस्तक्षेप से इनकार किया। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह मामला केवल एक उम्मीदवार के नामांकन का नहीं रह गया है। कांग्रेस इसे चुनावी निष्पक्षता और लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रश्न बना रही है, जबकि चुनाव आयोग और सत्तापक्ष इसे चुनावी नियमों के पालन का मामला बता रहे हैं। यदि मीनाक्षी नटराजन चुनाव याचिका दायर करती हैं और अदालत यह पाती है कि नामांकन निरस्त करने में कानूनी त्रुटि हुई थी, तो इससे चुनाव परिणाम और निर्वाचन प्रक्रिया दोनों पर गंभीर प्रश्न खड़े हो सकते हैं। इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और राजनीतिक दलों के बीच संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। चुनाव याचिका का प्रावधान इसी संतुलन को बनाए रखने के लिए बनाया गया था, ताकि चुनाव प्रक्रिया बाधित न हो और साथ ही किसी भी कथित अन्याय की न्यायिक समीक्षा भी संभव रहे

कांग्रेस के लिए यह मामला राजनीतिक संघर्ष का प्रतीक बन चुका है। यदि चुनाव याचिका दाखिल होती है, तो यह केवल कानूनी लड़ाई नहीं होगी, बल्कि चुनावी पारदर्शिता और संस्थागत विश्वसनीयता पर भी व्यापक बहस को जन्म दे सकती है। दूसरी ओर, यदि न्यायालय चुनाव आयोग के निर्णय को सही ठहराता है, तो यह चुनावी नियमों के कठोर अनुपालन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाएगा। मीनाक्षी नटराजन के पास चुनाव याचिका का रास्ता मौजूद है, लेकिन उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह यह साबित कर पाती हैं या नहीं कि उनका नामांकन कानून के विपरीत या मनमाने ढंग से निरस्त किया गया था। यही कारण है कि यह मामला आने वाले समय में भारतीय चुनावी न्यायशास्त्र की एक महत्वपूर्ण कसौटी बन सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन को रद्द करने वाले रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश में दखल देने से सीधे तौर पर इनकार कर दिया। जस्टिस पीके मिश्र और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने फैसला सुनाया कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र खारिज होने को चुनौती देने वाली मीनाक्षी नटराजन की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार जब रिटर्निंग ऑफिसर की तरफ से किसी उम्मीदवार का नामांकन खारिज कर दिया जाता है, तो इसके समाधान के लिए केवल चुनाव आयोग के पास जाना ही एकमात्र उपाय है। अदालत ने मीनाक्षी नटराजन के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा, निर्णय चाहे कितना भी गलत क्यों न हो, एक बार नामांकन खारिज हो जाने के बाद, इसका उपाय आमतौर पर कहीं और होता है। क्या इस न्यायालय का कोई ऐसा निर्णय है जहां हमने इस स्तर पर हस्तक्षेप किया हो?।सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन के मामले में स्पष्ट कर दिया कि चुनाव से जुड़े मामलों पर रिट याचिका के माध्यम से कोई राहत नहीं दी जा सकती। सिर्फ सांविधानिक मामलों में ही रिट याचिका के जरिए सुप्रीम कोर्ट आया जा सकता है।चुनाव याचिका संसदीय, विधानसभा या स्थानीय चुनावों के नतीजों की वैधता की जांच करने की एक वैधानिक प्रक्रिया है। आसान शब्दों में कहें तो, यह कानून के तहत किसी चुनाव में विजयी उम्मीदवार के निर्वाचन को अदालत में चुनौती देने का एक साधन है। मीनाक्षी नटराजन का मामला क्या है? मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फॉर्म 26 में तेलंगाना के एक आपराधिक मामले का खुलासा न करने के कारण रिटर्निंग ऑफिसर की तरफ से खारिज किया गया।

# कार्ल लैंडस्टीनर की विरासत: क्यों मनाया जाता है विश्व रक्तदान दिवस और क्या हैं इसके फायदे

**विश्व रक्तदान दिवस हर वर्ष 14 जून को मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यदि कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में रक्त का दान करता है तो यह मानवता के हित में सबसे बड़ा काम है, लेकिन एक आंकड़े के अनुसार हमारे देश की आबादी का केवल 37 प्रतिशत लोग ही रक्तदान करने योग्य हैं, लेकिन उनमें से भी 10 प्रतिशत से भी कम लोग हर साल ब्लड डोनेट करते हैं। पाठकों को जानकारी प्राप्त करके आश्चर्य होगा कि दुनिया भर में हर वर्ष लगभग 11.85 करोड़ (118.5 मिलियन) यूनिट रक्तदान एकत्र किया जाता है तथा विश्व के कुल रक्तदान का 40% हिस्सा उच्च आय वाले देशों से आता है, जबकि वहां दुनिया की केवल 16% आबादी रहती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार एक यूनिट रक्त को विभिन्न घटकों में विभाजित करके तीन लोगों तक की जान बचाई जा सकती है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार निम्न आय वाले देशों में दिए जाने वाले रक्त का 54% हिस्सा 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को चढ़ाया जाता है तथा उच्च आय वाले देशों में रक्त प्राप्त करने वालों में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग लगभग 76% हैं।**

**सुनील कुमार महला**

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2008 से 2018 के बीच स्वैच्छिक रक्तदाताओं से प्राप्त रक्तदान में 1.07 करोड़ (10.7 मिलियन) यूनिट की वृद्धि दर्ज की गई। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दुनिया के 79 देशों में 90% से अधिक रक्त आपूर्ति स्वैच्छिक और निःशुल्क रक्तदाताओं से प्राप्त होती है, जबकि 54 देशों में अब भी आधे से अधिक रक्त परिवार या भुगतान वाले दाताओं से आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रसव के दौरान या बाद में हर वर्ष लगभग 1.4 करोड़ (14 मिलियन) महिलाएं अत्यधिक रक्तस्राव का सामना करती हैं, जिनके लिए समय पर रक्त उपलब्ध होना जीवनरक्षक साबित होता है। भारत में विभिन्न आकलनों के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 10 लाख यूनिट रक्त की कमी बनी रहती है, जिसके कारण नियमित स्वैच्छिक रक्तदान का महत्व और बढ़ जाता है। रोचक तथ्य है कि यदि किसी देश की केवल 1% आबादी नियमित रूप से रक्तदान करे, तो अधिकांश देशों की रक्त आवश्यकता पूरी हो सकती है। रक्त आज भी ऐसी जीवनरक्षक वस्तु है जिसे किसी फैक्ट्री में बनाया नहीं जा सकता; इसका एकमात्र स्रोत मानव रक्तदाता ही है। जीवन अमूल्य है और रक्तदान जीवनदान देता है। ब्लड प्रकृति द्वारा मानव को दिया गया सबसे मूल्यवान उपहार है। हम इसके माध्यम से लोगों की कई तरह से मदद कर सकते हैं, मसलन हम बहुत सी जिंदगियां बचा सकते हैं। मानवता की सेवा में रक्तदान सबसे उत्तम सेवा है। बीमारों, जरूरतमंदों के लिए रक्तदान नये जीवन की आशा है। रक्तदान करके हम बहुत से जीवन बचा सकते हैं, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ और योग्य व्यक्ति को अपने जीवन में रक्त का दान करने की प्रेरणा लेनी चाहिए और रक्तदान करना चाहिए। जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इस दिन को रक्तदान दिवस के रूप में घोषित किया गया है। रक्तदान को सबसे बड़ा दान माना गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में स्थापित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना और रक्तदाताओं के सुरक्षित जीवन रक्षक रक्त के दान करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हुए आभार व्यक्त करना है।

वास्तव में, इस दिन को 14 जून को मनाने का खास कारण है। जानकारी मिलती है कि वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर ने ब्लड ग्रुप सिस्टम की खोज की थी। उनके इस योगदान के लिए वर्ष 1930 में कार्ल लैंडस्टीनर को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। रक्तदाता दिवस वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर को समर्पित है, जिनका जन्मदिन 14 जून को होता है। यहां यह भी बताता चलूं कि कार्ल लैंडस्टीनर ही वह वैज्ञानिक थे जिन्होंने एबीओ रक्त समूह की खोज की थी। उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था और उन्हीं की याद में यह दिवस संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि विश्व रक्तदाता दिवस मनाए जाने की शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस संघ, और रेड क्रिसेंट समाज द्वारा सबसे पहले की गई थी। कार्ल लैंडस्टीनर एक ऑस्ट्रियाई जीव वैज्ञानिक, चिकित्सक और प्रतिरक्षा विज्ञानी थे, और उन्हें आधुनिक रक्त आधान (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) का संस्थापक माना जाता है। यह उनका योगदान ही है कि आज रोगी के जीवन को खतरे में डाले बिना ब्लड ट्रांसफ्यूजन संभव हो पाया है। कार्ल को उनके अनूठे योगदान के लिए वर्ष 1930 में उन्हें नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। आज देश में रोजाना बहुत से एक्सीडेंट होते हैं, थैलेसीमिया के रोगियों, एनीमिया के रोगियों, ब्लड कैंसर जैसी बीमारियों में व बहुत बार डिलीवरी के वक्त महिलाओं को रक्त की जरूरत पड़ती है। कई बार आपात स्थिति में एक्सीडेंट के दौरान या फिर ऑपरेशन या किसी अन्य कारण से खून की आवश्यकता जब मरीज को पड़ती है, ऐसे में रक्तदाताओं द्वारा दान किए गए खून से कई लोगों की जान बचाई जाती है। ऐसे ही ब्लड डोनर्स के महत्व और उन्हें धन्यवाद करने के लिए प्रति वर्ष 14 जून को 'वर्ल्ड ब्लड डोनर डे' संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। रक्तदान को महादान भी कहा गया है, क्योंकि किसी का जीवन बचाने से बड़ी बात कुछ और नहीं हो सकती है। आज लोग धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगे हैं और रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता का माहौल भी देखने को मिल रहा है। फिर भी बहुत सारे व्यक्ति ऐसे भी हैं जिनको अभी भी रक्तदान करने से डर लगता है, रक्तदान को लेकर बहुत सी भ्रांतियां भी लोगों में व्याप्त हैं, तो हमारा कर्तव्य यह बनता है कि हम उन्हें रक्तदान के प्रति जागरूक करें। वास्तव में, अगर हमारी वजह से यदि किसी व्यक्ति की ज़िन्दगी बचती है तो हमें जो संतुष्टि का एहसास होगा उसे शब्दों में बयाँ करना मुमकिन नहीं है। सच तो यह है कि रक्तदान जीवन का सबसे खूबसूरत अहसास है। विश्व रक्तदाता दिवस के लिए हर साल विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा एक थीम को चुना जाता है ताकि स्वैच्छिक रक्तदान जीवन को बचाने और विभिन्न समुदायों के भीतर एकजुटता बढ़ाने में भूमिका को उजागर किया जा सके।

बहरहाल, यहां यह जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व रक्तदाता दिवस प्रतिवर्ष 14 जून को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा रक्तदाताओं के अमूल्य योगदान का सम्मान करना है। वर्ष 2025 की थीम- रक्त दें, आशा दें: मिलकर जीवन बचाएं थी, जो रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने और आशा का संचार करने का संदेश देती है। वहीं वर्ष 2026 की थीम- मानवता की एक बूंद। रक्त दें। जीवन बचाएं। रखी गई है। यह थीम मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करते हुए लोगों को नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करती है। सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने और अनगिनत जीवन बचाने में रक्तदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज रक्त की आपूर्ति मांग की तुलना में कम है, क्योंकि लोगों में रक्तदान के बारे में अनेक तरह की भ्रांतियां हैं। कुछ लोग यह मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आती है, वे बीमार पड़ सकते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। एक स्वस्थ व योग्य व्यक्ति यदि खून दान करता है तो यह उसके स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है, ऐसा चिकित्सकों का कहना है। बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि एक अध्ययन में पाया गया कि रक्तदान की आपूर्ति प्रति हज़ार पर 33.8 थी, जबकि मांग 36.3 थी। ऐसे में देश में सालाना एक मिलियन (10 लाख) रक्त की यूनिट्स कम पड़ती हैं। खासतौर पर दूर-दराज के इलाकों में रक्त सुरक्षा का अभाव है। इसका मुख्य कारण है कि लोग रक्तदान के बारे में जागरुक नहीं हैं, कई स्थानों पर इसे उचित नहीं माना जाता है। चिकित्सकों का यह मानना है कि एक नहीं अपितु रक्त दान के ढेरों फायदे हैं। यह न सिर्फ रक्त पाने के लिए बल्कि दान करने वाले के लिए भी फायदेमंद है। डोनर द्वारा नियमित रूप से रक्तदान करने से शरीर में आयरन का स्तर ठीक बना रहता है। दिल की बीमारियों, विशेष प्रकार के कैंसर जैसे लिवर कैंसर तक का खतरा रक्तदान करने से कम हो जाता है। रक्तदान करने से बहुत सी जिंदगियां तो बचती ही हैं साथ ही साथ रक्त दान करने से हमारे मन में संतोष की भावना आती है, हम यह महसूस करते हैं कि हमने किसी को जीवन देने में मदद की है। इससे हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है। इससे हमारा रक्त प्रवाह भी अच्छा बना रहता है। रक्त जांच से पहले हमारे शरीर की निःशुल्क शारीरिक जांच की जाती है, इससे हमारे ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, पल्स आदि जांचे जाते हैं। रक्तदान करने से हमारा वजन भी कंट्रोल रहता है। रक्तदान करने के बाद शरीर खून की कमी को पूरा करने में जुट जाता है, जिससे शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं ज़्यादा बनती हैं, और हमारी सेहत में सुधार आता है। रक्तदान करने से हमारी ब्लड ग्रुप, आरएच फैक्टर के अलावा एचआईवी, हेपेटाइटिस, मलेरिया व यौनजनित रोगों की जांच हो जाती है। रक्तदान की पूरी प्रक्रिया के दौरान 20-25 मिनट का समय लगता है। उस समय कोई तकलीफ व दर्द भी नहीं होता है और न ही किसी प्रकार के संक्रमण की संभावना रहती है। बार-बार रक्तदान करने से खून के अवयव (आरबीसी, डब्लूबीसी, हीमोग्लोबिन, प्लेटलेट्स आदि) जल्दी बनते हैं। खून देने के बाद कुछ देर आराम कर रक्तदाता अपने सामान्य कार्यों को कर सकता है। रक्तदान करने से शरीर की ऑल ओवर फिटनेस सुधरती है। इससे हमारा शरीर चुस्त दुरुस्त रहता है। यह एक मिथक है कि औरतें रक्तदान नहीं कर सकती हैं। चिकित्सकों का मानना है कि 18 से 60 साल की उम्र का कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। बस, इसके लिए जरूरी है कि वह स्वस्थ हो और कुछ मानकों को पूरा करता हो। अगर हमें कोई बीमारी है या हम कोई दवा ले रहे हैं तो बेहतर होगा कि रक्तदान से पहले अपने चिकित्सक से सलाह ले लें और रक्तदान के लिए हो रही जांच के समय पूरी जानकारी दें। रक्तदान लोगों को बीमार नहीं करता है। हां, रक्तदान करने के बाद कभी कभार हल्के

चक्कर आ सकते हैं, लेकिन इसके लिए रक्तदान से पहले और बाद में हम अपने आहार में कुछ खाद्य पदार्थों को शामिल कर सकते हैं। रक्तदान के बाद हम ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं जिनमें फोलिक एसिड, विटामिन बी 6 और बी 2 होते हैं। इन खाद्य पदार्थों में ऐसे घटक होते हैं, जो हमारे हीमोग्लोबिन स्तर को बढ़ाने में मदद करेंगे। रक्त दान करने से पहले लोगों को चिकित्सकों द्वारा कार्बोनेटेड पेय और फैटी खाद्य पदार्थ से 24 घंटे तक दूर रहने के लिए सलाह दी जाती है। वास्तव में, रक्तदान से हमें हमारी भावी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में भी पता चल जाता है। हम हमारे स्वास्थ्य के बारे में जागरुक बनते हैं। रक्त दान लोगों को एक दूसरे के साथ जोड़ता है, यह सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है, खासतौर पर जब ऐसे रक्त दान अभियान सामुदायिक आयोजनों के रूप में चलाए जाते हैं। इससे एकजुटता, टीम-वर्क और समाज कल्याण की गतिविधियों को काफी बढ़ावा मिलता है। आज लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक करने की आवश्यकता है, क्योंकि एक रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल में जाने वाले सात लोगों में लगभग एक व्यक्ति को खून की जरूरत होती है, कई बार खून की कमी से लोगों की जान तक चली जाती है। एक जानकारी अनुसार अगर हर व्यक्ति हर तीन महीने में नियमित रूप से रक्तदान करे, तो खून की कमी से किसी को तकलीफ या किसी की जान नहीं जाएगी। अंत में यही कहूंगा कि यदि आप एक रक्तदाता हैं, तो आप किसी के जीवन के लिए एक नायक हैं।

(लेख में उल्लिखित सलाह और सुझाव सिर्फ सामान्य सूचना के उद्देश्य के लिए हैं और इन्हें पेशेवर चिकित्सा सलाह के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। )

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)।

# मन स्वस्थ्य है तो तन स्वस्थ है

**अपनीं अनमोल कुशाग्र बुद्धि से उसे पहचान कर अपने जीवन में ढालना है, तो फिर हर कोई कहेगा देखो क्या खूबसूरत सुखी जिंदगी है, अपने आप में, परिवार, मोहल्ले, समाज में ही हम सतयुग का माहौल बना कर अति सुख चैन से अपने जीवन के अनमोल क्षणों को बिता सकते हैं मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि अनेक गुणों में से एक गुण संकल्प शक्ति जिसका मन और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा हम आर्टिकल के माध्यम से करेंगे।**

**किशन सनमुखदास भावनानीं**

साथियों बात अगर हम अपने इस मानव शरीर की करें तो मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है मन का संकल्प मनुष्य की आंतरिक शक्ति है। मानव शरीर यदि रथ के समान है तो यह मन उसका चालक है। मनुष्य के शरीर की असली शक्ति उसका मन है। मन के अभाव में शरीर का कोई मूल्य ही नहीं है। मन ही वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य से बड़े-बड़े काम करवा लेती है। यदि मन में दुर्बलता का भाव आ जाए तो शक्तिशाली शरीर और विभिन्न प्रकार के साधन भी व्यर्थ हो जाते हैं। मन बहुत बलवान है। शरीर की सब क्रियाएं मन पर निर्भर करती है। यदि मन में शक्ति, उत्साह और उमंग है तो शरीर भी तेजी से कार्य करता है। अतः व्यक्ति की हार जीत उसके मन की दुर्बलता सबलता पर निर्भर है।

साथियों शारीरिक दृष्टि से दुर्बल एवं हीन होते हुए भी दृढ़ निश्चयी व्यक्ति ऐसे-ऐसे कार्य कर जाया करते हैं कि उनकी असाधारणता पर विस्मय-विभोर होकर रह जाना पड़ता है! सामान्यतः साधारण प्रतीत होने वाले व्यक्ति भी अपनी संकल्प शक्ति के बल से भयावह तूफानों तक का मुँह मोड़ देने में सफल हो जाया करते हैं। मनोविज्ञान का मानना है कि वनस्पति जाग्रत रहती है पशु सोते है पत्थर में भी चेतना सोती है और मनुष्य विचार चिन्तन करता है इसलिए यह इन अन्य सजीवों तथा निर्जीवों से भिन्न हैं। चिन्तन

एवं मनन करना इन्सान की विशेषता है जिनका सीधा सम्बन्ध मन से होता है।

साथियों संकल्प शक्ति का प्रयोग किए बिना व्यक्ति कोशिश किए बिना ही पहले ही हार स्वीकार कर लेते हैं । धीरे-धीरे उनमें यह भावना बैठ जाती है कि वे कभी भी जीत नहीं सकते हैं। वहीं दूसरी ओर सफल व्यक्ति हमेशा आशावादी व कर्मवीर होते हैं। वे जीत के लिए हमेशा प्रयास करते हैं। जब तक हमारा मन शिथिल है तब तक हम कुछ भी नहीं कर सकते। मनुष्य का जीवन खेल के मैदान के समान है। यहाँ हर व्यक्ति खिलाड़ी है। खेल में विजय प्राप्त करने के लिए खिलाड़ी को चुस्त और तंदुरुस्त होने के साथ-साथ अपने-आप पर भरोसा भी होना चाहिए। जिसका मन मजबूत होता है, वही सच्चे अर्थों में तंदुरुस्त और अपने-आप पर भरोसा रखनेवाला होता है।

साथियों बात अगर हम मन के बारे में ऐतिहासिक कबीर श्लोकों की करें तो-

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।
कहे कबीर हरि पाइए मन ही की परतीत।।

अर्थात- जीवन में जय और पराजय केवल मन के भाव हैं। यानी जब हम किसी कार्य के शुरू में ही हार मान लेते हैं कि हम सचमुच में ही हार जाते हैं। लेकिन अपनी मंजिल के लिए जब जूझते हैं, बार-बार गिर कर खड़े होते हैं तो हमारा आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है। इसके बाद जब मंजिल मिलती है, तो उसकी खुशी कई गुना होती है। इसलिए आपकी जीत या हार को कोई और तय नहीं कर सकता है। यह खुद आपके ऊपर निर्भर करता है। यही बात इस कहानी में भी बताई गई है। यह कहावत किसी व्यक्ति के जीवन की तरह किसी देश या राष्ट्र के बारे में भी सत्य सिद्ध होती है। किसी देश या राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उस देश के निवासियों की प्रबल इच्छाशक्ति में रहती है।

साथियों इसीलिए आत्मविश्वास की बात कही जाती है। अखबारों में हम अपनी क्रिकेट टीम की हार का कारण पढ़ते हैं, तो यही पढ़ते हैं कि खिलाड़ी अपना मनोबल बनाए नहीं रख सके। या तो वे अतिउत्साह में आ गए या फिर निराशा में। मन की इन दोनों स्थितियों का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शरीर को इस बात से कोई लेना-देना नहीं होता कि उसके अंदर उत्साह की तरंगें पैदा हो रही हैं या निराशा की। उसको तो तरंगों से मतलब है। निराशा की तरंगों से उसकी शक्ति विखंडित हो जाती है। इसका परिणाम पराजय में होता है। इसलिए बहुत जरूरी है कि हम संतुलित रहें।

साथियों बात अगर हम मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है की करें तो, स्वस्थ और तंदरुस्त रहना हमारे दैनिक कार्यों को पूरा करने में मदद करता है। स्वस्थ्य रहने का अर्थ रोग रहित तन का होना ही नहीं, बल्कि तनावमुक्त मन का होना भी है। यदि एक व्यक्ति अस्वस्थ मन रखता है, तो वह अपने शरीर को स्वस्थ नहीं रख सकता है। शरीर और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का सूत्र है। हमें अपने शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने के लिए सभी बिन्दुओं के बारे में जागरुक होने की आवश्यकता है।

कुछ लोग बहुत अच्छे से जानते हैं कि शरीर को साफ-सुथरा और स्वस्थ कैसे रखा जाता है, लेकिन मन में घूम रही परेशानियों की वजह से उन्हें स्वस्थ रहने के लाभ नहीं मिल पाते हैं। मानसिक तनाव धीरे-धीरे शारीरिक स्वास्थ्य को कमजोर कर देता है। ऐसे में जरूरी है हम कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी गंभीर रहें। इसके लिए आलस्य को त्यागकर ध्यान व व्यायाम दोनों का सहारा लिया जाना चाहिए। स्वस्थ मन से बनता है स्वस्थ तन, स्वस्थ तन से बनता है स्वस्थ जीवन और स्वस्थ जीवन से बनेगा स्वस्थ भारत अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ्य हैं!मनुष्य के पास मन की संकल्प शक्ति यह एक महत्वपूर्ण अस्त्र है जिसके दम पर स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र से बढ़ी जीत हासिल की जा सकती है,तन और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का भी एक सूत्र है।

(संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र )

# मुख्यमंत्री ने पुलिस समीक्षा बैठक में सुरक्षा सुशासन और आधुनिक पुलिसिंग पर दिए अहम निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित जोनल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षकों की दो दिवसीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक का उद्घाटन किया यह बैठक पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही है जिसमें प्रदेश की कानून–व्यवस्था अपराध नियंत्रण और पुलिस आधुनिकीकरण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों की समीक्षा की जा रही है मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण, नशामुक्ति अभियान, महिला–बाल सुरक्षा तथा सिंहस्थ–2028 की तैयारियों को सरकार की शीर्ष प्राथमिकताएं बताया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी क्षेत्रों में प्रभावी, संवेदनशील और परिणामोन्मुखी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, संगठित अपराध, माफिया गतिविधियां और भूमि संबंधी अपराध तेजी से बदलते स्वरूप में सामने आ रहे हैं जिनसे निपटने के लिए पुलिस बल को तकनीकी रूप से सक्षम और त्वरित कार्रवाई करने वाला बनाना आवश्यक है। उन्होंने साइबर अपराध रोकथाम और जनजागरूकता अभियानों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, मानव तस्करी पर नियंत्रण तथा महिला एवं बाल सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। साथ ही धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों को लेकर न्यायालय के निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए भी कहा नशामुक्ति अभियान की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक जनजागरूकता, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान को और व्यापक रूप देने के निर्देश दिए सिंहस्थ–2028 की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि विश्वस्तरीय प्रबंधन की चुनौती भी है। उन्होंने भीड़ प्रबंधन, यातायात, आपदा प्रबंधन और आधुनिक सुरक्षा तकनीकों के उपयोग पर अभी से तैयारी करने के निर्देश दिए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने बताया कि नई त्रैमासिक समीक्षा व्यवस्था से पुलिस कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग संभव होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण, बाल सुरक्षा और साइबर अपराध रोकथाम के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है तथा पुलिस व्यवस्था को लगातार आधुनिक बनाया जा रहा है बैठक में आगामी दो दिनों तक प्रशासन, प्रशिक्षण, दूरसंचार, नारकोटिक्स, कल्याण, जीआरपी और तकनीकी सेवाओं से जुड़े विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण और समीक्षा की जाएगी। इसमें भर्ती, प्रशिक्षण, अनुकंपा नियुक्ति, रेलवे पुलिस की चुनौतियों और नशा तस्करी रोकथाम जैसे मुद्दे भी शामिल रहेंगे बैठक में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं सभी जोनल एडीजी/आईजी उपस्थित रहे।

## छात्रावास अधीक्षिका को पद से हटाया गया :छात्राओं की शिकायतों पर जांच में अव्यवस्थाएं उजागर

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)।** शिवपुरी स्थित शासकीय अनुसूचित जाति कन्या पोस्ट मैट्रिक छात्रावास की अधीक्षिका प्रीति सूर्येश को छात्राओं की लगातार शिकायतों और कलेक्टर के निर्देश पर हुई जांच के बाद उनके प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। जांच में छात्रावास में अव्यवस्थाएं और अधीक्षिका की लापरवाही सामने आई थी छात्राओं ने 9 जून को जनसुनवाई में कलेक्टर से शिकायत की थी। इसके बाद 11 जून को भी छात्राओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर छात्रावास में खाने में कीड़े मिलने, पानी की समस्या, शौचालयों की कमी, साफ–सफाई की खराब व्यवस्था और अधीक्षिका के व्यवहार को लेकर शिकायत दर्ज कराई। छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया था कि शिकायत करने के बाद उन्हें धमकाया जा रहा है एक जांच दल का गठन किया था मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने एक जांच दल का गठन किया था। इस दल ने छात्रावास का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट के आधार पर यह पाया गया कि अधीक्षिका प्रीति सूर्येश ने अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरती है जिला संयोजक, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, प्रीति सूर्येश को तत्काल प्रभाव से शासकीय अनुसूचित जाति कन्या पोस्ट मैट्रिक छात्रावास, शिवपुरी के अधीक्षकीय प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। उन्हें शासकीय अनुसूचित जनजाति बालक आश्रम शाला कोटा में शिक्षकीय कार्य करने के लिए पदस्थ किया गया है वहीं छात्रावास का नया प्रभार शासकीय अनुसूचित जाति कन्या सीनियर छात्रावास फतेहपुर में पदस्थ प्राथमिक शिक्षिका अनीता तिग्गा को सौंपा गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

## रतलाम के डायल-112 हीरोज ट्रेन से गिरकर घायल हुए युवक को त्वरित सहायता देकर पहुँचाया अस्पताल

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)।** रतलाम जिले के थाना रावटी क्षेत्र में डायल–112 जवानों की तत्परता एवं संवेदनशील कार्यवाही से ट्रेन से गिरकर घायल हुए एक युवक को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया डायल–112 टीम की त्वरित सहायता से युवक को शीघ्र चिकित्सकीय सुविधा मिल सकी 12 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल–112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना रावटी क्षेत्र अंतर्गत कोटड़ा गाँव के पास एक युवक ट्रेन से गिरकर घायल हो गया है तथा उसे तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है।

## 29 लाख का ट्रक, कोलारस में गबन का भंडाफोड़ मुख्य आरोपी गिरफ्तार, एक और नाम सामने आया

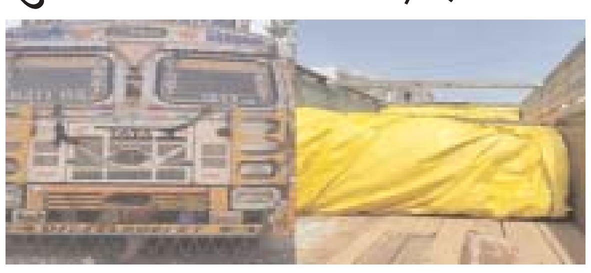

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)।** कोलारस से आगरा भेजी गई सरसों के गबन मामले में तेंदुआ थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने शुक्रवार को घेराबंदी कर 29 लाख रुपए कीमत का ट्रक और बची हुई सरसों बरामद कर ली है। इसके साथ ही पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है जो व्यापारी की 250 क्विंटल उपज लेकर निर्धारित स्थान पर पहुंचने के बजाय फरार हो गया था तेंदुआ थाना प्रभारी नीतू सिंह धाकड़ ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी बची हुई सरसों बेचने की फिराक में जा रहे हैं इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को एनएच–27 पर खरई और कस्बाथाना के बीच घेराबंदी की पुलिस ने मौके से ट्रक (RJ 11 GA 9297) को जब्त कर लिया और धौलपुर (राजस्थान) निवासी मुख्य आरोपी रामब्रज गुर्जर को दबोच लिया 250 में से बची थी 100 क्विंटल उपज, 29 लाख का मशरूका बरामद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए ट्रक की अनुमानित कीमत करीब 22 लाख रुपए है। वहीं, जब ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें लगभग 100 क्विंटल सरसों बची हुई पाई गई, जिसकी बाजार कीमत 7 लाख रुपए आंकी गई है इस तरह पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 29 लाख रुपए का मशरूका बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि गबन की गई शेष सरसों और उसे बेचकर प्राप्त की गई रकम के संबंध में जांच और पूछताछ जारी है 21 मार्च को बुलबुल इंटरप्राइजेज से भेजा गया था माल कोलारस निवासी व्यापारी अनीता गुप्ता ने 21 मार्च 2026 को अपनी फर्म 'बुलबुल इंटरप्राइजेज' से 250 क्विंटल सरसों आगरा स्थित महेश एडिबल ऑयल मिल्स के लिए भेजी थी।

## 5 मेडिकल कॉलेजों को मान्यता नहीं मिली : कांग्रेस के आरोपों पर स्वास्थ्य मंत्री बोले-कांग्रेसी ज्यादा खुश न हो, मैच अभी बाकी है

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** छत्तीसगढ़ के 5 नए मेडिकल कॉलेजों को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से मान्यता नहीं मिलने के मामले में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बयान दिया है। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि 'कांग्रेस ज्यादा खुश न हो मैच अभी बाकी है हम अपील में गए हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि इसी सत्र से पढ़ाई शुरू होगी स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कांग्रेस को मेडिकल कॉलेजों के खुलने का स्वागत करना चाहिए था, लेकिन विपक्ष इसके विपरीत बयानबाजी कर रहा है उन्होंने कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सवाल किया कि क्या कांग्रेस नहीं चाहती कि मेडिकल कॉलेज खुलें और मनेन्द्रगढ़ जैसे छोटे क्षेत्रों के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलें

**पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के कार्यकाल पर साधा निशाना**

मंत्री ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव का नाम लेते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में अस्पताल निर्माण नहीं हो पाया था। जबकि, वर्तमान सरकार ने मेडिकल कॉलेज के लिए 109 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने दावा किया कि पांचों मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और काम जारी है।

**NMC की 99 प्रतिशत गाइडलाइन पूरी होने का दावा:** श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि 220 बिस्तरों वाले अस्पताल तैयार हैं और प्रोफेसरों की नियुक्ति भी की जा चुकी है उन्होंने कहा कि सरकार ने हस्ब्ट की लगभग 99 प्रतिशत गाइडलाइन पूरी कर ली हैं और उन्हें विश्वास है कि आने वाले समय में NMC से मान्यता मिल जाएगी।

**5 नए मेडिकल कॉलेजों के आवेदन हुए थे खारिज:** बता दें कि भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी और आवश्यक दस्तावेजों की कमी का हवाला देते हुए छत्तीसगढ़ के पांच नए मेडिकल कॉलेजों के आवेदन को फिलहाल खारिज कर दिया था इसके बाद राज्य सरकार ने पुनर्विचार और अपील की प्रक्रिया शुरू की है।

## नर्मदापुरम में यूके से गिफ्ट भेजने के नाम पर ठगी : ट्राइडेंट की महिला कर्मचारी से 3.91 लाख का फ्रॉड, कस्टम-टैक्स के नाम पर ऐंठे पैसे

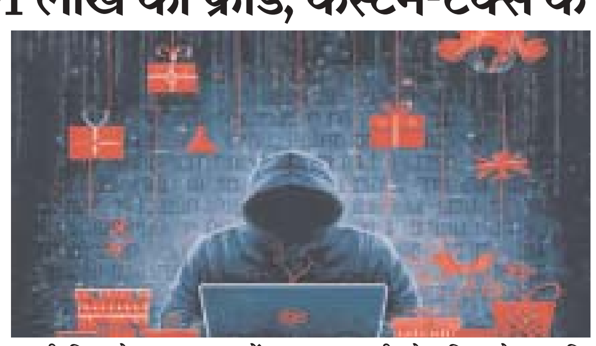

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम में ट्राइडेंट कंपनी की एक महिला कर्मचारी के साथ 3.91 लाख रुपए की इंटरनेशनल साइबर ठगी का मामला सामने आया है। यूनाइटेड किंगडम (इंग्लैंड) में बैठे एक ठग ने महिला से ऑनलाइन दोस्ती कर उसे महंगे गिफ्ट भेजने का झांसा दिया। इसके बाद कस्टम और अलग–अलग टैक्स क्लियरेंस के नाम पर महिला से लाखों रुपए ऐंठ लिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़िता ने नर्मदापुरम साइबर सेल में शिकायत की जिसके आधार पर देहात थाना पुलिस ने शुक्रवार रात अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है जानकारी के अनुसार पीड़िता नर्मदापुरम में रहती है और बुधनी स्थित टेक्सटाइल (ट्राइडेंट) कंपनी में कर्मचारी है करीब एक महीने पहले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए उसकी संपर्क समीर अली नाम के एक व्यक्ति से हुआ था। समीर ने खुद को ब्रिस्टल (यूनाइटेड किंगडम) का निवासी बताया और धीरे–धीरे दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई कुछ समय बाद समीर ने महिला से कहा कि वह यूके से उसके लिए कुछ गिफ्ट और पैसे भेज रहा है आरोपी ने भरोसा दिलाया कि वह जब इंडिया आएगा तो अपना सामान वापस ले लेगा, तब तक वह इसे संभालकर रखे। साथ ही समीर ने कहा कि यूके से सामान इंडिया भेजने के लिए लगने वाले ट्रांसपोर्ट और टैक्स का पैसा फिलहाल वह (महिला) अपनी तरफ से दे दे फेक इनकम टैक्स अधिकारी ने फोन कर मांगे पैसे समीर से बात होने के अगले ही दिन महिला के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को इनकम टैक्स ऑफिसर बताया और पार्सल छोड़ने के एवज में रुपयों की मांग की कथित अधिकारी ने महिला से ट्रांसपोर्ट, एनओसी और एनपीआर के नाम पर पैसे मांगे ठगों के झांसे में आकर महिला ने 2 जून से 7 जून के बीच अलग–अलग क्यूआर कोड और यूपीआई नंबरों पर पैसे भेज दिए। धीरे–धीरे कर महिला ने कुल 3 लाख 91 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए।

## पर्यटन घाट पर ऑटो से मिला शव, बदबू आने पर लोगों ने देखा, गैस सिलेंडर सप्लाई के लिए इस्तेमाल होता था वाहन

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम के पर्यटन घाट क्षेत्र में शुक्रवार रात उस समय सनसनी फैल गई, जब सुलभ शौचालय के सामने खड़े एक ऑटो से तेज बदबू आने पर उसमें एक व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को खबर दी। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल भिजवाया। शुरुआती जांच में शव करीब दो दिन पुराना बताया जा रहा है बदबू आने पर लोगों को हुआ शक जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 11 बजे पर्यटन घाट स्थित सुलभ शौचालय के सामने लंबे समय से खड़े एक लोडिंग ऑटो के पास से गुजर रहे लोगों को तेज दुर्गंध महसूस हुई। लोगों को संदेह होने पर उन्होंने ऑटो के अंदर देखा तो ड्राइवर और हेल्पर सीट के बीच एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। शरीर से कोई हलचल नहीं होने पर तुरंत डायल–112 और कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई।

**पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संभाला मोर्चा:** सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम रात करीब 11:30 बजे मौके पर पहुंची। जांच करने पर व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को ऑटो से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

**मृतक की हुई पहचान:** पुलिस जांच में मृतक की पहचान देवकी नंदन कहार (40) निवासी पर्यटन घाट, नर्मदापुरम के रूप में हुई है परिजनों को सूचना देने के बाद शनिवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस लोडिंग ऑटो में शव मिला, उसका उपयोग पहले एलपीजी गैस सिलेंडरों की सप्लाई के लिए किया जाता था। हालांकि पिछले करीब दो वर्षों से ऑटो खराब हालत में वहीं खड़ा था आसपास के लोगों के अनुसार मृतक को कई बार इसी ऑटो में सोते हुए देखा गया था नर्मदा में चढ़ाए गए नारियल पकड़ता था मृतक पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है।

### कन्या विवाह योजना में दुल्हनों को मिला नकली मंगलसूत्र

## काला पड़ा तो कराई जांच, निकला गिलट, नवविवाहिताओं ने नया खरीदने पैसे मांगे, जांच के आदेश वीडीयो

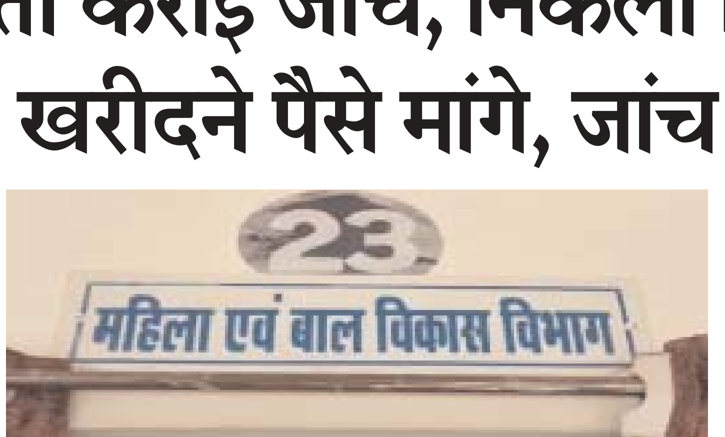


**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** छत्तीसगढ़ के (एमसीबी) जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत नवविवाहिताओं को दिए गए मंगलसूत्रों को लेकर विवाद शुरू हो गया है नवविवाहिताओं और उनके घरवालों ने आरोप लगाया है कि सामूहिक विवाह समारोह में दिए गए मंगलसूत्र कुछ ही दिनों में काले पड़ गए और जांच में यह नकली पाए गए अब इस मामले में नवविवाहिताओं ने इसके बदले राशि की मांग की है, जिससे वो नया मंगलसूत्र खरीद सकें इधर शिकायत के बाद कलेक्टर ने जांच के आदेश दिए हैं अब जानिए पूरा मामला रतनपुर के खड़गवां ब्लॉक के चनवारीडांड में 10 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम में 189 जोड़ों की शादी कराई गई थी योजना के तहत दुल्हनों को मंगलसूत्र समेत कई उपहार दिए गए थे। लेकिन शादी के कुछ ही समय बाद कई दुल्हनों ने शिकायत की कि उनके मंगलसूत्र का रंग काला पड़ने लगा इसके बाद जब उन्होंने मंगलसूत्र की जांच कराई गई तो दावा किया गया कि उनमें चांदी की जगह गिलट का इस्तेमाल किया गया है। मामला सामने आते ही प्रभावित महिलाओं ने मीडिया के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की। उनका कहना है कि गरीब परिवारों की बेटियों के लिए चलाई जा रही इस योजना में ऐसी लापरवाही दुर्भाग्यपूर्ण है। महिलाओं ने जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सवाल उठाए हैं।

**नवविवाहिताओं ने लगाए नकली गहने बांटने के आरोप:** नवविवाहिता संजना दयाल ने बताया कि उनकी शादी 10 फरवरी को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत हुई थी। शादी के दौरान उन्हें जो मंगलसूत्र दिया गया था, वह नकली निकला उन्होंने कहा कि जब उन्होंने मंगलसूत्र पहनना शुरू किया तो उसका रंग काला पड़ने लगा इसके बाद उन्होंने इसकी जांच कराई जिसमें पता चला कि यह असली चांदी का नहीं है संजना का कहना है कि योजना के तहत मिले इस मंगलसूत्र की क्वालिटी को लेकर उन्हें निराशा हुई है इस खबर के बाद इलाके में लोगों में भी नाराजगी देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनकल्याणकारी योजनाओं में किसी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है वहीं विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने भी मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज कर दी है महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रभारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया फिलहाल विभाग की ओर से इस संबंध में कोई अंतिम जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग में लगातार भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं उनका कहना है कि पिछले साल भी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में गड़बड़ी और घोटाले के आरोप लगे थे जिसकी जांच अभी तक चल रही है अब एक बार फिर मंगलसूत्र को लेकर विवाद सामने आया है जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

## पुलिस की मौजूदगी में कत्ल... :प्रेमिका का सिर गोद में रखकर प्रेमी ने रेता गला

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)।** जिले के देहात थाना क्षेत्र में पिपरसमा निवासी एक युवती की गांधीनगर (गुजरात)के एक होटल में उसकी गला रेतकर हत्या कर दी गई हत्या का आरोप उसके प्रेमी पर है जो पुलिस अभिरक्षा में था घटना गुरुवार–शुक्रवार की दरमियानी रात की है आरोपी युवक ने भी अपने गले पर वार कर आत्महत्या का प्रयास किया उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है गुजरात की चिलोड़ा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पिपरसमा निवासी रजनी धाकड़ (21) और संतोष जाटव (25) 7 जून की रात घर से लापता हो गए थे पुलिस को उनकी मोबाइल लोकेशन गुजरात में मिली इसके बाद देहात थाना के दीवान दीपचंद्र और आरक्षक बदन सिंह युवती के दो चचेरे भाइयों को साथ लेकर गुजरात रवाना हुए। 11 जून की दोपहर राजकोट जिले के सांपर क्षेत्र में एक फैक्ट्री के पास झोपड़ी से दोनों को बरामद कर लिया। पुलिस टीम दोनों को लेकर शिवपुरी लौट रही थी, लेकिन थकान के कारण वे गांधीनगर के होटल में रुक गए जहां युवती की हत्या कर दी रात 2:30 बजे चीख सुन नींद खुली तो बहन का गला कटा मिला मृतका के चचेरे भाई प्रवेंद्र धाकड़ ने बताया कि वह अपने भाई नीरज और दो पुलिसकर्मियों के साथ गुजरात गए थे। वापसी में थकान होने पर सभी ने उदयपुर हाईवे स्थित होटल राइन इन पोर्ट में एक बड़ा कमरा लिया कमरे में लगे बेड पर प्रवेंद्र नीरज और एक आरक्षक सोए थे जमीन पर बिछे गद्दे पर पुलिस दीवान के बगल में संतोष सोया था, जबकि दूसरे गद्दे पर रजनी अकेली सो रही थी रात करीब 2:30 बजे अचानक चीखने की आवाज सुनकर सबकी नींद खुली देखा तो संतोष की गोद में रजनी का सिर था और उसका गला कटा हुआ था।

पानीपुरी खाने के विवाद में किया हंगामा

# बुरहानपुर में युवक तलवार-एयरगन लेकर दुकान पर पहुंचा संचालक से की हाथापाई

**मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)।** बुरहानपुर के बस स्टैंड क्षेत्र में पानीपुरी खाने के दौरान हुए मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। विवाद के कुछ देर बाद एक युवक तलवार और एयरगन लेकर एक दुकान पर पहुंच गया। उसने दुकान संचालक को धमकाने की कोशिश की और उसके साथ हाथापाई कर दी। इस दौरान दुकान संचालक के हाथ में चोट भी आई। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

**पानीपुरी खाते समय हुआ था विवादः** जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे होटल पंचवटी के पास अमन पिता गणेश महाजन की बालाजी रिचार्ज एवं फोटो कॉपी की दुकान है। अमन का बस स्टैंड निवासी विजय पिता रमेश वर्मा से पानीपुरी खाते समय धक्का लगने को लेकर विवाद हो गया था। उस समय दोनों के बीच कहासुनी हुई और मामला वहीं शांत होता दिखाई दिया। तलवार और एयरगन लेकर दुकान पर पहुंचा आरोपी कुछ देर बाद विजय गुस्से में एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में एयरगन लेकर अमन की दुकान पर पहुंच गया। उस समय अमन दुकान पर मौजूद नहीं था। आरोपी दुकान के आसपास ही रुका रहा और अमन का इंतजार करता रहा। दुकान संचालक से की हाथापाई जब अमन दुकान पर पहुंचा तो विजय ने उसे तलवार और एयरगन दिखाकर डराने-धमकाने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और हाथापाई शुरू हो गई। धक्का-मुक्की के दौरान अमन के हाथ में चोट लग गई। घटना से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

**सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटनाः** दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हो गया। फुटेज में आरोपी को हथियारों के साथ दुकान पर पहुंचते और विवाद करते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने भी जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज को अहम साक्ष्य के रूप में लिया है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया क्या हुआ प्रत्यक्षदर्शी युवराज महाजन ने बताया कि युवक के एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में एयरगन थी। उसने दुकान पर पहुंचकर हंगामा किया। समय रहते लोगों ने बीच-बचाव किया, नहीं तो कोई बड़ी घटना हो सकती थी। घटना की सूचना मिलने के बाद कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने देर रात कार्रवाई करते हुए आरोपी विजय वर्मा को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दर्ज किया मामला कोतवाली थाना प्रभारी नीता देअरवाल ने बताया कि बालाजी रिचार्ज एवं फोटो कॉपी की दुकान पर एक व्यक्ति तलवारनुमा हथियार लेकर पहुंचा था और वहां विवाद किया। शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच जारी है और पुलिस पूरे घटनाक्रम के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

## सोयाबीन फसल की उत्पादकता बढ़ाने हेतु एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण आयोजित

**मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)।** आरएके कॉलेज एवं भारतीय किसान संघ द्वारा खरीफ पूर्व सोयाबीन फसल की उत्पादकता बढ़ाने हेतु एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आगामी खरीफ मौसम में सोयाबीन फसल की उत्पादकता एवं लाभप्रद में वृद्धि हेतु किसानों को नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकों, उन्नत प्रजातियों तथा समेकित फसल प्रबंधन संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना था। प्रशिक्षण में भारतीय किसान संघ के श्री महेश चौधरी ने किसानों को सोयाबीन की उन्नत खेती, गुणवत्तायुक्त बीजों के उपयोग, संतुलित पोषण प्रबंधन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर बल देते हुए अधिक उत्पादन एवं गुणवत्ता सुधार हेतु आवश्यक उपायों की जानकारी दी। डॉ आईएस तोमर ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीन कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा वैज्ञानिक खेती के माध्यम से कृषि आय में वृद्धि पर जोर दिया। तकनीकी सत्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. देवेंद्र पयासी ने सोयाबीन की नवीन उन्नत प्रजातियों एवं उनके प्रमुख गुणधर्मों की विस्तृत जानकारी दी। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.सी. गुप्ता ने संतुलित उर्वरक, प्रबंधन, सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व तथा उनकी कमी से फसलों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जानकारी दी। डॉ. डी आर सक्सेना ने सोयाबीन में आने वाली प्रमुख बीमारियों एवं उनके प्रभावी निदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

## खरगोन में 400 मिमी पाइपलाइन फूटी, लाखों लीटर पानी बहा 10 घंटे मरम्मत के बाद टेस्टिंग जारी, शाम तक पानी मिलने का दावा

**मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)।** खरगोन में नगर पालिका की कुंदा नदी के पुल से गुजर रही रहीमपुरा ओवरहेड की 400 मिलीमीटर व्यास की मुख्य राइजिंग पाइपलाइन शुक्रवार शाम फूट गई। इससे करीब 50 फीट ऊंचा फव्वारा छूटा और लाखों लीटर पानी कुंदा नदी में बह गया। इस घटना से रहीमपुरा सहित तीन अन्य क्षेत्रों के 2000 घरों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई, जिससे 15 हजार से अधिक आबादी पर असर पड़ा। जल आवर्धन योजना की इस लाइन की मरम्मत का काम शुक्रवार रात 7 बजे से शनिवार सुबह 5 बजे तक चला, जिसमें कुल 10 घंटे लगे। जेएमसी कंपनी के सुपरवाइजर सहित 10 लोगों की टीम ने क्षतिग्रस्त कपलिंग जॉइंट रबर शीट को हटाकर कटर मशीन की सहायता से नया पाइप और रबरशीट जोड़ी। पाइपलाइन शुक्रवार शाम 4:45 बजे पहाड़सिंहपुरा क्षेत्र स्थित पुराने पुल के पास 173 मीटर लंबी लाइन में फूटी थी। यह घटना उस समय हुई जब 150 हॉर्स पावर के पंप से रहीमपुरा टंकी में पानी भरा जा रहा था। लगभग 35 मिनट तक पानी कुंदा नदी में बहता रहा। लाइन फूटने से रहीमपुरा ओवरहेड से रहीमपुरा के अलावा औरंगपुरा, दामखेड़ा और सुखपुरी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बाधित हुई। नगर पालिका और जेएमसी कंपनी का दावा है कि लाइन की टेस्टिंग के बाद शाम तक पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। नगर पालिका के जल शाखा प्रभारी संजय सोलंकी ने बताया कि टीम ने सुबह 10 बजे तक निरीक्षण पूरा कर लिया था। आगे टेस्टिंग के बाद आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

## जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सिरसवास में मनाया गया बावड़ी उत्सव

**मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)।** जल संरक्षण और पारंपरिक जल स्त्रोतों के संवर्धन के उद्देश्य से प्रदेश व्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सिरोंज तहसील के देवपुर सेक्टर स्थित ग्राम सिरसवास में बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था कचनारिया ग्राम विकास शिक्षण समिति, सिरोंज एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से किया गया। उत्सव के दौरान ग्रामीणों और श्रमदानियों ने बावड़ी की साफ-सफाई कर उसके संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात बावड़ी पूजन किया गया तथा रंगोली बनाकर और दीपों से सजाकर जल स्त्रोत

के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मां गंगा की आरती उतारी और जल संरक्षण का संकल्प लिया। श्रमदान कार्य में ग्राम अबूआ ढाना, सब्दलपुर पिपरिया और सिरसवास की सहयोगी समितियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। स्थानीय ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजन के माध्यम से जल स्त्रोतों के संरक्षण और सामुदायिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

# जिले में किसान ई-टोकन पोर्टल पर स्वयं उर्वरक चयनित कर प्राप्त कर रहे हैं उर्वरक

### किसानों के मध्य एनपीके को संतुलित और बेहतर विकल्प के रूप में किया जा रहा है अनुशंसित

**मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)।** समाचार पत्र में 12 जून को प्रकाशित रायसेन जिले में 'डीएपी खाद की उपलब्धता' और 'महंगी एनपीके खाद थोपने' सबंधी खबर के संबंध में जिला विपणन अधिकारी ने बताया कि किसी भी किसान को विशेष खाद खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा रहा है। एनपीके को केवल एक संतुलित और बेहतर विकल्प के रूप में अनुशंसित किया जा रहा है। शासन द्वारा निर्धारित की गई दरों एवं जिले में उर्वरक उपलब्धता के अनुसार किसान द्वारा ई-टोकन में पात्रता के अनुपात में किसान के द्वारा स्वयं चयनित कर संबंधित केंद्र से उर्वरक प्राप्त किया जाता है। जिससे सपष्ट है कि किसी भी किसान के ऊपर उर्वरक थोपा नहीं जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय युद्ध के कारण कच्चे माल की कीमतों (जैसे सल्फ्यूरिक एसिड में 350 प्रतिशत, रॉक फॉस्फेट में 40 प्रतिशत और नाइट्रोजन में 12-16 प्रतिशत की वृद्धि) और डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन (लगभग 14 प्रतिशत) से उत्पादन लागत बढ़ गई है। इसके बावजूद, सरकार किसानों को भारी सब्सिडी प्रदान कर कीमतों को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि डीएपी सब्सिडी 29,805 से बढ़ाकर 32,786 रू की गई। एपीके सब्सिडी रू 17,390 से बढ़ाकर 19,068 रू की गई। एनपीके 12:32:16, सब्सिडी 20890 से बढ़ाकर 22941 रू की गई। बाजार दरें सरकारी नियमों के तहत हैं, स्थानीय स्तर पर कोई मनमानी नहीं है। वैश्विक युद्ध के कारण भारत में डीएपी और उसके कच्चे माल (फॉस्फोरिक एसिड और रॉक फॉस्फेट) की आयात आपूर्ति बाधित हुई है। युद्ध के कारण उन देशों से आयात बाधित हुआ है जहाँ से भारत डीएपी या फॉस्फोरिक एसिड आयात करता है। किसानों के समय की बचत के लिए 2 कार्य दिवस की समय सीमा के साथ ई-टोकन की सुविधा उपलब्ध है। कालाबाजारी रोकने और खाद केवल वास्तविक किसानों तक पहुँचाने के लिए पीओएस मशीन और बायोमेट्रिक व्यवस्था अनिवार्य की गई है। सर्वर की तकनीकी समस्याओं को दूर करने के लिए एनआईसी की टीम निरंतर कार्यरत है।

## इछावर में अनियंत्रित रेत ट्रैक्टर ने मचाया उत्पात बिजली के खंभे से टकराकर रुका, मकान ढहने से बचा

**मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)।** सीहोर जिले के इछावर क्षेत्र में रेत माफिया की मनमानी के कारण सड़कों पर खतरा बढ़ गया है। हाल ही में, रेत से भरी एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने स्टेट हाईवे पर खड़ी एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली अपने आप स्टार्ट हो गई और बिना ड्राइवर के ही आगे बढ़ने लगी। यह ट्रैक्टर सीधे सामने स्थित एक रिहायशी मकान की ओर तेजी से बढ़ा। गनीमत रही कि मकान में घुसने से ठीक पहले ट्रैक्टर एक बिजली के खंभे से टकराकर रुक गया। यदि यह खंभा बीच में न होता, तो ट्रैक्टर सीधे मकान की दीवारें तोड़कर अंदर घुस जाता, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था।

यह इछावर में रेत माफिया से जुड़ी पहली घटना नहीं है। नगर के घनी आबादी वाले इलाकों और भीड़भाड़ वाले बाजारों से रेत से भरे डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉली अक्सर तेज रफ्तार से गुजरते हैं। नियमानुसार आबादी वाले क्षेत्रों में वाहनों की गति धीमी होनी चाहिए, लेकिन इन ड्राइवरों द्वारा नियमों का पालन नहीं किया जाता। इसी तेज रफ्तार के कारण इछावर में पहले भी कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। स्थानीय निवासियों में इस घटना के बाद प्रशासन और रेत माफिया के कथित गठजोड़ को लेकर रोष है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इन अवैध और तेज रफ्तार वाहनों के शहर में प्रवेश पर रोक नहीं लगाई गई या इनकी गति पर नियंत्रण नहीं किया गया, प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं कि इस स्थिति पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

## नर्मदापुरम में यूके से गिफ्ट भेजने के नाम पर ठगी ट्राइडेंट की महिला कर्मचारी से 3.91 लाख का फ्रॉड कस्टम-टैक्स के नाम पर ऐंठे पैसे

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम में ट्राइडेंट कंपनी की एक महिला कर्मचारी के साथ 3.91 लाख रुपए की इंटरनेशनल साइबर ठगी का मामला सामने आया है। यूनाइटेड किंगडम (इंग्लैंड) में बैठे एक ठग ने महिला से ऑनलाइन दोस्ती कर उसे महंगे गिफ्ट भेजने का झांसा दिया। इसके बाद कस्टम और अलग-अलग टैक्स क्लियरेंस के नाम पर महिला से लाखों रुपए ऐंठ लिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़िता ने नर्मदापुरम साइबर सेल में शिकायत की, जिसके आधार पर देहात थाना पुलिस ने शुक्रवार रात अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता नर्मदापुरम में रहती है और बुधनी स्थित टेक्सटाइल (ट्राइडेंट) कंपनी में कर्मचारी है। करीब एक महीने पहले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए उसकी संपर्क समीर अली नाम के एक व्यक्ति से हुआ

था। समीर ने खुद को ब्रिस्टल (यूनाइटेड किंगडम) का निवासी बताया और धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। कुछ समय बाद समीर ने महिला से कहा कि वह यूके से उसके लिए कुछ गिफ्ट और पैसे भेज रहा है। आरोपी ने भरोसा दिलाया कि वह जब इंडिया आएगा तो अपना सामान वापस ले लेगा, तब तक वह इसे संभालकर रखे। साथ ही समीर ने कहा कि यूके से सामान इंडिया भेजने के लिए लगने वाले ट्रांसपोर्ट और टैक्स का पैसा फिलहाल वह (महिला) अपनी तरफ से दे दे।

**फेक इनकम टैक्स अधिकारी ने फोन कर मांगे पैसेः** समीर से बात होने के अगले ही दिन महिला के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को इनकम टैक्स ऑफिसर बताया और पार्सल छोड़ने के एवज में रुपयों की मांग की। कथित अधिकारी ने महिला से ट्रांसपोर्ट, एनओसी (NOC) और एनपीआर (NPR) के नाम पर पैसे मांगे। ठगों के झांसे में आकर महिला ने 2 जून से 7 जून के बीच अलग-अलग क्यूआर कोड (QR Code) और यूपीआई (UPI) नंबरों पर पैसे भेज दिए। धीरे-धीरे कर महिला ने कुल 3 लाख 91 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए।एमपी ऑनलाइन की दुकान पर जाने से खुली पोल लाखों रुपए का पेमेंट करने के बाद भी जब महिला को न तो कोई सामान मिला और न ही पैसे वापस आए, तो उसे धोखाधड़ी का शक हुआ। अपने शक को दूर करने के लिए ।

## बुरहानपुर जिला अस्पताल में हेल्प डेस्क शुरू मरीजों को मिलेगी हर जानकारी, ऑनलाइन ओपीडी स्लिप की सुविधा भी होगी शुरू

**मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)।** बुरहानपुर के स्वर्गीय नंदकुमार सिंह चौहान जिला अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए पहली बार हेल्प डेस्क की शुरुआत की गई है। शुक्रवार से लागू हुई इस नई व्यवस्था के तहत अस्पताल आने वाले मरीजों को उपचार और विभिन्न विभागों से जुड़ी जरूरी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि इस पहल से मरीजों को भटकना नहीं पड़ेगा और उन्हें समय पर सही मार्गदर्शन मिल सकेगा।

**एक ही जगह मिल रही जरूरी जानकारीः** हेल्प डेस्क के माध्यम से मरीजों को अस्पताल के विभिन्न विभागों में उपलब्ध चिकित्सकों की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता, ओपीडी की प्रतीक्षा स्थिति, जांचों की तिथि, टोकन सिस्टम और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। अस्पताल प्रशासन ने मरीजों की सुविधा के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित डिस्प्ले भी तैयार कराए हैं, ताकि लोग आसानी से अपने विभाग और चिकित्सक की जानकारी प्राप्त कर सकें। पहले होती थी जानकारी की परेशानी सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. दर्पण टोके ने बताया कि पहले मरीजों और उनके परिजनों को चिकित्सकों की उपलब्धता तथा विभिन्न विभागों की जानकारी प्राप्त करने में काफी परेशानी होती थी। इस संबंध में अस्पताल प्रशासन को लगातार शिकायतें भी मिल रही थीं। उन्होंने बताया कि हेल्प डेस्क शुरू होने के बाद मरीजों को अब सही और त्वरित जानकारी मिल रही है। इससे अस्पताल में अनावश्यक भागदौड़ और भ्रम की स्थिति कम हुई है। डॉक्टर व्यस्त होने पर भी मिलेगी जानकारी डॉ. टोके ने बताया कि कई बार संबंधित चिकित्सक ऑपरेशन थिएटर में या वार्ड राउंड पर होते हैं। ऐसी स्थिति में मरीजों को उनकी उपलब्धता की जानकारी नहीं मिल पाती थी, जिससे उन्हें परेशानी होती थी।

# मानसून से पहले मंदसौर में बाढ़ प्रबंधन की तैयारी तेज 24 घंटे कंट्रोल रूम सक्रिय रहेगा; संभागायुक्त ने समीक्षा की

**मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर जिला प्रशासन ने आगामी मानसून और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को तैयारियां तेज कर दी हैं। उज्जैन संभाग के संभागायुक्त आशीष सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से मंदसौर सहित संभाग के सभी जिलों में बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समय पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने और आपदा प्रबंधन के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि वर्षा के दौरान जिन मार्गों, पुलों और पुलियाओं पर जलभराव या तेज बहाव रहता है, वहां अनिवार्य रूप से चेतावनी बोर्ड और संकेतक लगाए जाएं। उन्होंने ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी रखने को भी कहा, ताकि किसी भी दुर्घटना को रोका जा सके।

**24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश दिएः** जिले के कंट्रोल रूम को तत्काल प्रभाव से 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त ने कंट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों में कोई देरी न हो। संभागायुक्त ने स्थानीय गोताखोरों की सूची तैयार करने और उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई के लिए उन्हें तैयार रखने को कहा गया है। संभावित आपदा की स्थिति में राहत शिविरों के लिए चिन्हित स्थानों पर पेयजल, बिजली, शौचालय, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि राहत शिविरों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। जलमग्न मार्गों और खतरनाक स्थानों पर लोगों की आवाजाही रोकने के लिए चौकीदारों और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही, पुराने तालाबों, जलाशयों और अन्य संवेदनशील स्थलों का नियमित निरीक्षण करने तथा बचाव टीमों को पूरी तरह तैयार रखने को कहा गया है। किसी भी कमी को तत्काल दूर करने के निर्देश संभागायुक्त ने स्पष्ट कहा कि आपदा प्रबंधन से जुड़ी किसी भी प्रकार की आवश्यकता या कमी सामने आने पर उसकी तत्काल पूर्ति की जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति में प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य किए जा सकें। बैठक के दौरान मन्दसौर कलेक्टर अदिती गर्ग ने जिले में रेलवे एवं एनएचएआई के इंटरसेक्शन तथा विभिन्न अंडरब्रिजों में वर्षा के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या से संभागायुक्त को अवगत कराया। इस पर संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित कर आवश्यक समाधानात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

**बाढ़ और अतिवृष्टि से निपटने की तैयारियों की विस्तृत समीक्षाः** बैठक में जिले में संभावित बाढ़, अतिवृष्टि और अन्य आपदा परिस्थितियों से निपटने के लिए की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी विभागों को आपसी समन्वय, सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए, ताकि मानसून के दौरान किसी भी आपात स्थिति का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

### दिल्ली से ऑस्ट्रेलियाई टीम तक का सफर

# निखिल चौधरी रच सकते हैं इतिहास

**नई दिल्ली एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच 17 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए घोषित ऑस्ट्रेलियाई टीम में भारतीय मूल के क्रिकेटर निखिल चौधरी को शामिल किया गया है। 30 वर्षीय निखिल के चयन ने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है, क्योंकि वह छह दशक से अधिक समय बाद ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम में शामिल होने वाले भारत में जन्मे पहले खिलाड़ी बन सकते हैं। यदि उन्हें अंतिम एकादश में खेलने का मौका मिलता है, तो यह उनके करियर के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इतिहास का भी एक महत्वपूर्ण क्षण होगा।

ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ी पहले भी खेल चुके हैं। गुरिंदर संधू और तनवीर संघा जैसे खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन भारत में जन्मे किसी पुरुष क्रिकेटर को 1960 के दशक के बाद राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली थी। इससे पहले गुजरात में जन्मे लेग स्पिनर रेक्स सेलर्स ने 1964 में भारत के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया था। महिला क्रिकेट में पुणे में जन्मीं लिसा स्थालेकर ऑस्ट्रेलिया की सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल रही हैं, लेकिन पुरुष क्रिकेट में निखिल का संभावित पदार्पण एक नया अध्याय जोड़ सकता है। दिल्ली में जन्मे निखिल चौधरी ने अपने शुरुआती क्रिकेट करियर में पंजाब की ओर से सीमित ओवरों के मुकाबले खेले थे। इस दौरान उन्होंने हरभजन सिंह, शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग की टीम मुंबई इंडियंस के लिए ट्रायल भी दिया था। बाद में वह अपने एक रिश्तेदार से मिलने ऑस्ट्रेलिया पहुंचे, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमाएं बंद होने के कारण वहीं रुक गए। इसी दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अपने क्रिकेट करियर को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

संघर्षपूर्ण दौर में निखिल ने विभिन्न प्रकार की नौकरियां कीं और साथ ही क्रिकेट जारी रखा। उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जेम्स होप्स ने उन्हें अवसर दिलाने में मदद की। इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और अपनी पहचान बनाई। निखिल ने हाल ही में बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने पिछले सत्र में 30 से अधिक की औसत और 153 के स्ट्राइक रेट से 307 रन बनाए तथा अपनी टीम को खिताब जीताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा शेफील्ड शील्ड में भी उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शतक जड़ा और पांच विकेट लेने का कारनामा किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें तस्मानिया के साथ पहला राज्य अनुबंध मिला।

दिलचस्प बात यह है कि भारतीय परिस्थितियों में पले-बढ़े होने के बावजूद निखिल ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजों के खिलाफ अधिक सफल रहे हैं। बिग बैश लीग में उनका स्ट्राइक रेट तेज गेंदबाजों के खिलाफ 180 के करीब रहा है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी क्षमता को दर्शाता है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलिया की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर इतिहास रच पाएंगे।

# 13 साल बाद रियल मैड्रिड में जोस मोरिन्हो की वापसी

- 2029 तक बने रहेंगे मुख्य कोच

**मैड्रिड एजेंसी।** स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने अनुभवी कोच जोस मोरिन्हो को एक बार फिर टीम की कमान सौंप दी है। क्लब ने मोरिन्हो को अगले तीन वर्षों के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह अनुबंध जून 2029 तक प्रभावी रहेगा। इस नियुक्ति के साथ ही मोरिन्हो की 13 वर्षों बाद रियल मैड्रिड में वापसी हो गई है। क्लब और उसके प्रशंसकों को उम्मीद है कि उनके अनुभव और नेतृत्व में टीम एक बार फिर घरेलू और यूरोपीय फुटबॉल में नई ऊंचाइयों को छू सकेगी। रियल मैड्रिड के निदेशक मंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। क्लब की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज की मौजूदगी में हुई बैठक में मोरिन्हो को अगले तीन सत्रों के लिए प्रथम टीम का मुख्य कोच नियुक्त करने पर सहमति बनी। वह 13 जुलाई से आधिकारिक रूप से अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे और टीम के साथ काम शुरू करेंगे।

मोरिन्हो इससे पहले भी रियल मैड्रिड के साथ सफल कार्यकाल बिता चुके हैं। उनके नेतृत्व में क्लब ने ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जैसे महत्वपूर्ण खिताब जीते थे। उस दौर में रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच प्रतिद्वंद्विता अपने चरम पर थी। विशेष रूप से पेप गार्डियोला के नेतृत्व वाली बार्सिलोना और मोरिन्हो की रियल मैड्रिड के मुकाबले विश्व फुटबॉल के सबसे चर्चित संघर्षों में गिने जाते थे। रियल मैड्रिड में वापसी से पहले मोरिन्हो पुर्तगाल के क्लब बेनफिका के साथ जुड़े हुए थे। हालांकि उनके नेतृत्व में टीम कोई बड़ा खिताब नहीं जीत सकी, लेकिन क्लब ने लीगा पुर्तगाल में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और पूरे अभियान में अपराजित रहने में सफलता हासिल की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मोरिन्हो को अनुबंध से मुक्त कराने के लिए रियल मैड्रिड ने लगभग 15 मिलियन यूरो का मुआवजा भुगतान किया है। मोरिन्हो के जाने के बाद बेनफिका ने इंग्लैंड के क्लब फुलहम के पूर्व प्रबंधक मार्को सिल्वा को नया कोच नियुक्त किया है। वहीं रियल मैड्रिड में उनकी वापसी को क्लब की दीर्घकालिक रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज पहले ही टीम को और मजबूत बनाने तथा बड़े खिलाड़ियों को क्लब से जोड़ने का संकेत दे चुके हैं। ऐसे में आगामी ट्रांसफर विंडो के दौरान कई बड़े सौदों की संभावना भी जताई जा रही है। फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि मोरिन्हो की वापसी से रियल मैड्रिड के खेल में नई ऊर्जा और आक्रामकता देखने को मिल सकती है। अपनी रणनीतिक सोच, अनुशासन और जीत हासिल करने की मानसिकता के लिए पहचाने जाने वाले मोरिन्हो के सामने अब क्लब को फिर से यूरोप के शीर्ष क्लबों में स्थापित करने की चुनौती होगी। प्रशंसकों और फुटबॉल जगत की नजरें अब उनके दूसरे कार्यकाल पर टिकी हैं, जहां उनसे एक बार फिर सफलता की नई कहानी लिखने की उम्मीद की जा रही है।

# 1970 विश्व कप विजेता ब्राजील के महान डिफेंडर ब्रिटो का निधन

**नई दिल्ली एजेंसी।** ब्राजील को 1970 फीफा विश्व कप जिताने वाली ऐतिहासिक टीम के सदस्य और दिग्गज डिफेंडर ब्रिटो का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ब्राजीलियाई फुटबॉल परिसंघ ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए बताया कि वह निमोनिया से पीड़ित थे और पिछले एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन से ब्राजील सहित दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों में शोक की लहर है। ब्रिटो को ब्राजील के सर्वश्रेष्ठ रक्षात्मक खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने 1964 में ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया था और करीब आठ वर्षों तक देश का प्रतिनिधित्व किया। अपनी शारीरिक मजबूती, शानदार खेल और आक्रामक रक्षात्मक शैली के कारण वह टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रहे। 1970 में मेक्सिको में आयोजित फीफा विश्व कप में उन्होंने ब्राजील की सफलता में अहम भूमिका निभाई थी। उस टूर्नामेंट में उन्होंने टीम के सभी मैच खेले और एक भी मिनट मैदान से बाहर नहीं रहे।

ब्रिटो ने डिफेंस में विल्सन पियाजा के साथ मजबूत जोड़ी बनाई थी। जहां पियाजा अपनी तकनीकी क्षमता के लिए प्रसिद्ध थे, वहीं ब्रिटो अपनी ताकत और संघर्षशील खेल के लिए जाने जाते थे। उनकी शारीरिक क्षमता के कारण उन्हें हरक्यूलिस के नाम से भी पहचान मिली।

उस विश्व कप विजेता टीम में महान फुटबॉलर पेले भी शामिल थे, जिसे आज भी फुटबॉल इतिहास की सबसे बेहतरीन टीमों में गिना जाता है। ब्राजीलियाई फुटबॉल परिसंघ के अध्यक्ष समीर जौद ने ब्रिटो के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वह ब्राजील फुटबॉल इतिहास के सबसे महान डिफेंडरों में से एक थे और उनकी विरासत हमेशा याद रखी जाएगी।

9 अगस्त 1939 को रियो डी जेनेरियो में जन्मे ब्रिटो ने अपने क्लब करियर की शुरुआत वास्को द गामा से की थी। इसके बाद उन्होंने फ्लैमेंगो, क्रूजेरो, इंटरनेशनल, कोरिंथियंस, बोटाफोगो और एथलेटिको परानाएंस जैसे प्रमुख क्लबों का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रीय टीम के लिए उन्होंने 61 मैच खेले और ब्राजील को कई महत्वपूर्ण खिताब दिलाने में योगदान दिया।

# विश्व कप से पहले जापान को बड़ा झटका, कप्तान वातारू एंडो ने चोट के कारण लिया संन्यास

**नई दिल्ली एजेंसी।** फीफा विश्व कप 2026 के आगाज से ठीक पहले जापान की फुटबॉल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान और इंग्लिश क्लब लिवरपूल के स्टार मिडफील्डर वातारू एंडो चोट के कारण न केवल विश्व कप से बाहर हो गए हैं, बल्कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की भी घोषणा कर दी है। 33 वर्षीय एंडो के इस फैसले के साथ जापान की राष्ट्रीय टीम के साथ उनका लगभग एक दशक लंबा सफर समाप्त हो गया।

जापान का पहला मुकाबला 15 जून को ग्रुप एफ में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेला जाना है, लेकिन उससे पहले कप्तान के बाहर होने की खबर ने टीम की तैयारियों को प्रभावित किया है। एंडो ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने संन्यास और विश्व कप टीम से हटने की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि चोट से उबरकर टूर्नामेंट में खेलने के लिए उन्होंने हर संभव प्रयास किया, लेकिन पूरी तरह फिट नहीं हो सके।

अपने भावुक संदेश में एंडो ने कहा कि उन्होंने वापसी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी और इस बात का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने स्वीकार किया कि विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाने का दुख जरूर है, लेकिन उससे कहीं अधिक गर्व उन्हें इस बात का है कि कतर विश्व कप के बाद जापानी टीम ने लगातार प्रगति की और खुद को मजबूत बनाया। एंडो ने मौजूदा जापानी टीम पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि वर्तमान टीम बेहद प्रतिभाशाली और मजबूत है। उनके अनुसार खिलाड़ी किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता रखते हैं और इस विश्व कप में ऐसा प्रदर्शन कर सकते हैं, जो पहले कभी देखने को नहीं मिला।

उन्होंने उम्मीद जताई कि जापान भविष्य में विश्व कप जीतने का अपना सपना जरूर पूरा करेगा। वातारू एंडो जापान के सबसे भरोसेमंद मिडफील्डरों में गिने जाते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता, खेल की समझ और मैदान पर अनुशासन ने उन्हें राष्ट्रीय टीम का अहम स्तंभ बनाया।

# जसपाल राणा की अनकही दास्तां, निशानेबाजी के महानायक के निधन से शोक की लहर

**नई दिल्ली एजेंसी।** भारतीय निशानेबाजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाले दिग्गज निशानेबाज और कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से भारतीय खेल जगत, विशेषकर शूटिंग समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है। राणा लंबे समय से हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और हाल ही में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एक जून को नई दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां जांच में हृदय की धमनियों में रुकावट पाई गई। हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित विश्व कप प्रतियोगिता से भारतीय दल के साथ लौटते समय भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी। उपचार और स्टेंट डाले जाने के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई गई थी, लेकिन बाद में स्वास्थ्य में गिरावट आने से शुक्रवार तड़के उनका निधन हो गया।

जसपाल राणा भारतीय निशानेबाजी के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्होंने देश को विश्व मंच पर पहचान दिलाई। उन्होंने महज 12 वर्ष की उम्र में अपना पहला राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने चार राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेते हुए नौ स्वर्ण सहित कुल 15 पदक अपने नाम किए। वर्ष 1994 के एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके करियर का सबसे यादगार प्रदर्शन 2006 के दोहा एशियाई खेलों में देखने को मिला, जहां उन्होंने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस दौरान उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की थी।

हालांकि ओलंपिक पदक जीतने का सपना अधूरा रह गया, लेकिन भारतीय निशानेबाजी में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। खिलाड़ी के रूप में सफलता हासिल करने के बाद जसपाल राणा ने कोचिंग में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। वर्ष 2012 से जूनियर पिस्टल कोच के रूप में उन्होंने कई प्रतिभाशाली निशानेबाजों को तराशा। उनकी देखरेख में सौरभ चौधरी, अनीश भानवाला और चिंकी यादव जैसे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरे। पिछले वर्ष उन्हें 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया गया था।

### छोले-कुलचे की रेहड़ी से टीम इंडिया तक पहुंचा अर्जुन

# अंडर-19 टीम में चयन से जालंधर में खुशी की लहर

**जालंधर एजेंसी।** दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और परिवार के सहयोग के दम पर जालंधर के युवा क्रिकेटर अर्जुन राजपूत ने वह उपलब्धि हासिल की है, जिसका सपना लाखों खिलाड़ी देखते हैं। शहर के राम नगर क्षेत्र में छोले-कुलचे की रेहड़ी लगाने वाले होती राम के बेटे अर्जुन का चयन भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। आगामी 4 जुलाई को भारतीय टीम श्रीलंका दौरे के लिए रवाना होगी, जहां अर्जुन पहली बार देश की नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। उनके चयन से पूरे परिवार और इलाके में खुशी का माहौल है। बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के ऑफ स्पिन गेंदबाज अर्जुन ने बेहद साधारण परिस्थितियों में अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने क्रिकेट की बारीकियां हरभजन सिंह क्रिकेट अकादमी में सीखीं और लगातार मेहनत के बल पर राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया। इस दौरान उनके कोच विक्रम सिद्धू ने भी उन्हें हर कदम पर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया।

भारतीय टीम में चयन होने के बाद अर्जुन ने कहा कि उन्होंने आठ-नौ वर्ष की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और आज यह उपलब्धि हासिल कर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका दौरे पर टीम का लक्ष्य अच्छा प्रदर्शन करते हुए सभी मुकाबले जीतना और ट्रॉफी भारत लाना होगा। अर्जुन ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और परिवार को देते हुए कहा कि कठिन समय में उन्होंने हमेशा उनका मनोबल बढ़ाया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अर्जुन ने बताया कि उनके पिता डीएवी कॉलेज के बाहर वर्षों से छोले-कुलचे की रेहड़ी लगाकर परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। उन्होंने बेटे के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने के लिए अथक मेहनत की।

# वैभव सूर्यवंशी को श्रीसंत की सलाह, चमक-दमक से दूर रहकर सिर्फ क्रिकेट पर दें ध्यान

**नई दिल्ली एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी जल्द ही पहली बार सीनियर स्तर पर भारतीय जर्सी में खेलते नजर आ सकते हैं। अंडर-19 क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है और अब उनसे आयरलैंड, इंग्लैंड तथा एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद की जा रही है। फिलहाल वैभव इंडिया ए टीम का हिस्सा हैं और विभिन्न मुकाबलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। श्रीलंका ए के खिलाफ वह बड़ी पारी नहीं खेल सके, लेकिन अफगानिस्तान ए के विरुद्ध उन्होंने प्रभावशाली बल्लेबाजी कर अपनी क्षमता का परिचय दिया। इस बीच भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत ने युवा बल्लेबाज को क्रिकेट के साथ-साथ करियर के शुरुआती दौर में आने वाली चुनौतियों को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। उनका मानना है कि कम उम्र में मिली लोकप्रियता और सफलता के बीच वैभव को अपने लक्ष्य से भटकने नहीं देना चाहिए। श्रीसंत ने कहा कि युवा खिलाड़ी को पूरी तरह अपने खेल पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए और व्यावसायिक तथा अन्य बाहरी मामलों को परिवार के जिम्मे छोड़ देना चाहिए। एक मीडिया बातचीत के दौरान श्रीसंत ने वैभव को संबोधित करते हुए कहा कि वह पेशेवर प्रबंधकों और एजेंटों के प्रभाव से बचें तथा अपना पूरा ध्यान क्रिकेट पर लगाएं। उनके अनुसार परिवार और पिता इन सभी बाहरी जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में सफलता मिलने के बाद अक्सर कई लोग युवा खिलाड़ियों के आसपास सक्रिय हो जाते हैं, लेकिन ऐसे समय में संतुलन बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। पूर्व क्रिकेटर ने वैभव की उपलब्धियों की जमकर सराहना भी की। उन्होंने कहा कि कम उम्र में जो प्रदर्शन वैभव ने किया है, वह असाधारण है और देशभर के लाखों युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। श्रीसंत ने उनकी तुलना भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की प्रेरणादायक यात्राओं से करते हुए कहा कि वैभव ने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के दम पर नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को बड़ा सपना देखने का साहस दिया है।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को दिए निर्देश

# समान नागरिक संहिता के संबंध में सुझाव देने के लिए लोगों को प्रेरित करें : मुख्यमंत्री

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता की वेबसाइट लांच कर दी गई है इसकी जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं कलेक्टर्स जनकल्याण शिविरों तथा ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा करके समान नागरिक संहिता के प्रावधानों की जानकारी दें आमजनता से पोर्टल पर सुझाव प्राप्त करने के लिए भी समुचित व्यवस्था कराएं सभी अधिकारी और कर्मचारी भी आम नागरिक के रूप में इसके संबंध में सुझाव अवश्य दें। सोशल मीडिया तथा अन्य माध्यमों से आमजनता को समान नागरिक संहिता के संबंध में सुझाव देने के लिए प्रेरित करें इससे जुड़े कार्यक्रम जिला विकासखण्ड और ग्राम स्तर में आयोजित कराएं सभी प्रमुख शिक्षण संस्थानों में भी इससे संबंधित कार्यक्रम आयोजित कराएं मुख्यमंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलाया जा रहा है मनरेगा योजना में स्वीकृत जल संरक्षण के सभी कार्य 25 जून तक पूरा कराकर इसे जल गंगा पोर्टल पर अपलोड कराएं विश्व योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम जबलपुर में आयोजित किया जा रहा है इसमें देश की राष्ट्रपति महोदया शामिल होंगी कलेक्टर जबलपुर कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें मुख्य कार्यक्रम स्थल गैरिसन ग्राउण्ड में कम से कम चार हजार लोगों के सामूहिक योगाभ्यास की व्यवस्था रखें इसी दिन नीट की परीक्षा भी दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक आयोजित की जा रही है योग दिवस के कार्यक्रम को देखते हुए यातायात की समुचित व्यवस्था रखें नीट परीक्षा केन्द्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए पानी ओआरएस घोल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश भर में 12 से 18 जून तक जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं इन शिविरों में सभी कल्याणकारी योजनाओं और स्वरोजगार योजनाओं के शेष बचे पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाएं आयुष्मान कार्ड किसान सम्मान निधि, वय वंदना योजना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना उद्यम क्रांति योजना, सभी समाज कल्याण योजनाओं तथा अन्य योजनाओं के आवेदन पत्र अनिवार्य रूप से भरवाएं कलेक्टर्स जनकल्याण शिविर में आवेदन पत्रों के निराकरणकरण की जानकारी पोर्टल पर प्रतिदिन दर्ज कराएं मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान भारतम अभियान के तहत प्राचीन पांडुलिपियों को वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है हमारे प्रदेश में प्राचीन अभिलेखों पांडुलिपियों पुस्तकों, छायाचित्रों और अन्य ऐतिहासिक सामग्रियों का विशाल भण्डार है। कलेक्टर्स बुद्धिजीवियों के साथ-साथ आमजनता को भी इस अभियान में शामिल करके हमारी गौरवगाथा से जुड़े ऐतिहासिक दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड कराएं इस कार्य को 15 दिन की समय सीमा में पूरा करें वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी वर्षाकाल में अतिवृष्टि और बाढ़ से राहत और बचाव के समुचित प्रबंध कर लें सड़कों की मरम्मत के कार्य समय पर करें शीघ्र ही कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कान्फ्रेंस आयोजित की जाएगी इसमें जिले की उपलब्धियों की विभागवार समीक्षा होगी सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों की विधानसभावार जानकारी संकलित कराकर जिले की विकास पुस्तिका के रूप में प्रकाशित कराएं वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन तथा अन्य अधिकारी शामिल रहे।

## विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों के विधिक अधिकारों उपलब्ध कल्याणकारी योजनाओं तथा विधिक सेवाओं के संबंध में जागरूकता प्रदान करने के उद्देश्य से विधिक साक्षरता एवं जनजागरूकता अभियान अनुगूंज का ई-आयोजन किया गया कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय एवं संरक्षक प्रमुख मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एडीआर भवन, रीवा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश मोहन प्रधान तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्रा की उपस्थिति रही जिसमें श्रवण एवं वाक् बधिक व्यक्तियों के अधिकारों न्याय तक उनकी समान पहुंच तथा शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित श्रवण एवं वाक् बाधित एवं उनके परिजनों को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता, शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई साथ ही इन्टरकेक्शन सेशन में उनकी समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण हेतु आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा, सांकेतिक भाषा के व्याख्याकार केके शर्मा, सामाजिक न्याय विभाग से उपस्थित संबंधित अधिकारीगण एवं विंध्य वधिर संगठन के सचिव व सदस्यगण, समग्र चेतना विकास परिषद के संचालक सुमित सिंह उपस्थित रहें।

## श्रम विभाग एवं अहिंसा वेलफेयर सोसायटी ने चलाया जागरूकता अभियान

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर बाल अधिकारों की सुरक्षा एवं संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत अहिंसा वेलफेयर सोसायटी रीवा द्वारा श्रम विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से बाल श्रम उन्मूलन एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान बच्चों को बाल मजदूरी से होने वाले दुष्प्रभावों तथा शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। यह कार्रवाई राज्य शासन द्वारा जून माह को बाल श्रम उन्मूलन के रूप में मनाए जाने संबंधी जारी अधिसूचनाओं एवं निर्देशों के अनुरूप की गई। निर्देशों के तहत बाल श्रम प्रभावित क्षेत्रों में संयुक्त निरीक्षण, बच्चों की पहचान, बचाव एवं पुनर्वास के लिए विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों को समन्वित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं अहिंसा वेलफेयर सोसायटी द्वारा जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सामुदायिक नेताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता की। संस्था बाल अधिकारों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए कार्यरत राष्ट्रीय नेटवर्क 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की सहयोगी संस्था है। अभियान के दौरान चिन्हित एवं मुक्त कराए गए बच्चों की आयु 10 से 15 वर्ष के बीच पाई गई। बच्चे विभिन्न वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कई महीनों से कार्यरत थे तथा उनसे अमानवीय एवं शोषणकारी परिस्थितियों में काम कराया जा रहा था। साथ ही, पीड़ित बच्चों को पुनर्वास, मुआवजा, शिक्षा एवं अन्य वैधानिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी जारी है। जून माह के दौरान नागरिक समाज संगठन, श्रम विभाग एवं जिला प्रशासन के साथ मिलकर बाल तस्करी एवं बाल श्रम के नेटवर्क पर विशेष निगरानी तथा ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर अहिंसा वेलफेयर सोसायटी के निदेशक सुमित सिंह ने कहा कि शोषण और बाल मजदूरी से मुक्त कराए गए प्रत्येक बच्चे के शिक्षा सुरक्षा एवं गरिमा के अधिकार की पुनर्स्थापना हुई है बाल श्रम बच्चों से उनका बचपन शिक्षा और बेहतर भविष्य छीन लेता है हमारी संस्था जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर बाल तस्करी की रोकथाम, बच्चों के बचाव, पुनर्वास एवं अधिकारों की सुनिश्चितता के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

## खरपटा गांव में सड़क की बदहाली से राहगीर परेशान, जानलेवा गड्ढे से हादसे का खतरा, ग्रामीणों ने जांच की मांग की

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जनपद पंचायत जवा अंतर्गत खरपटा गांव से रीवा रोड तक प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनी सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है सड़क पर जगह-जगह गहरे और जानलेवा गड्ढे बनने से राहगीरों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा हादसे की आशंका लगातार बनी हुई है स्थानीय लोगों का कहना है कि जवा सितलहा मार्ग से होकर खरपटा गांव तक जाने वाली यह सड़क लंबे समय से जर्जर स्थिति में है लेकिन न तो संबंधित विभाग और न ही ठेकेदार द्वारा मरम्मत पर ध्यान दिया जा रहा है ग्रामीणों के अनुसार इस मार्ग पर कई लोग गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का शिकार भी हो चुके हैं सूत्रों के अनुसार लगभग दो वर्ष पूर्व इस सड़क के निर्माण एवं मरम्मत के लिए करीब डेढ़ करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया था, लेकिन निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी के कारण कुछ ही समय में सड़क की स्थिति खराब हो गई। इसके बाद केवल पैचवर्क के सहारे सड़क को चलाया जा रहा है ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि लगातार शिकायतों के बावजूद न तो विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और न ही ठेकेदार द्वारा गंभीरता से सुधार कार्य किया गया। लोगों का कहना है कि सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि यह किसी बड़े हादसे को आमंत्रण दे रही है ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित विभाग के अधिकारी और ठेकेदार इस समस्या के प्रति उदासीन बने हुए हैं। वहीं ठेकेदार द्वारा कथित रूप से कार्य में देरी और गुणवत्ता को लेकर लापरवाही बरतने की बात भी सामने आ रही है स्थानीय नागरिकों ने जिला कलेक्टर से इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है साथ ही सड़क की तत्काल मरम्मत कराने और जिम्मेदार अधिकारियों एवं ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक संज्ञान लेता है और राहगीरों को राहत कब तक मिल पाती है।

## राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान एआई आधारित तीन दिवसीय सीआरई प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** भारतीय पुनर्वास परिषद (RCI), नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान एवं सोशल वेलफेयर सोसायटी, सतना में शिक्षा एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की उपयोगिता पर तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तरीय सतत पुनर्वास प्रशिक्षण (CRE) कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में किया गया कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों एवं 8 विशेषज्ञों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष शिक्षा एवं पुनर्वास क्षेत्र से जुड़े शिक्षकों एवं विशेषज्ञों को एआई तकनीक के उपयोग, नवाचारों एवं संभावनाओं से अवगत कराना है, ताकि दिव्यांगजनों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके मुख्य अतिथि आरती सिंह बघेल (डायरेक्टर, अक्षत महाविद्यालय) रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि डॉ. राबेन्द्र सिंह गहरवार एवं धीरेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि एआई तकनीक शिक्षा एवं पुनर्वास के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के डायरेक्टर संजय सिंह ने की। प्रथम दिवस में विशेषज्ञों द्वारा एआई आधारित शिक्षण तकनीक, सहायक तकनीक एवं डिजिटल संसाधनों पर व्याख्यान दिए गए सत्र में संजय कुमार मिश्रा, सीमा बोस, श्यामलाल सोनी, वैशाली श्रीवास्तव, नीता रजक एवं संजय सिंह सहित विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन वैशाली श्रीवास्तव द्वारा किया गया। संस्थान द्वारा प्रतिभागियों के लिए आवास, भोजन एवं अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है।

## बेलगवा ग्राम पंचायत में निर्माण कार्यों पर उठे सवाल, पीसीसी सड़क में अनियमितता के आरोप, जांच की मांग

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जनपद पंचायत जवा अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलगवा में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों एवं सूत्रों के अनुसार पंचायत में पीसीसी सड़क सहित अन्य निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता और मानक विहीन सामग्री के उपयोग के आरोप लगाए जा रहे हैं जानकारी के अनुसार, बेलगवा गांव मोड़ से इटाव की ओर जाने वाली सड़क पर पहले बड़े-बड़े बोल्डर बिछाकर उसके ऊपर नाममात्र की गिट्टी, बालू और सीमेंट मिश्रण से पीसीसी सड़क का निर्माण किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी करते हुए केवल 2 से 3 इंच की ही कंक्रीट डाली गई, जबकि अधिकारियों को दिखाने के लिए किनारों पर पटरा लगाकर ऊंचाई प्रदर्शित की गई ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में पूर्व में ही संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी गई थी, बावजूद इसके न तो किसी प्रकार की जांच की गई और न ही निर्माण कार्य को रोका गया। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के चलते कार्य पूरा कर राशि का आहरण भी कर लिया गया करीब 8 माह पूर्व बनी यह पीसीसी सड़क अब जर्जर हालत में पहुंच चुकी है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते जांच की जाती तो सड़क की स्थिति इतनी खराब नहीं होती इसके अलावा ग्राम पंचायत में अन्य निर्माण कार्यों, जैसे आरसीसी नाली निर्माण, में भी गुणवत्ता को लेकर शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार शिकायतों और मीडिया रिपोर्ट्स के बावजूद जवा जनपद पंचायत स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है। साथ ही दोषियों पर कार्रवाई एवं राशि की वसूली की भी मांग उठाई गई है अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या रुख अपनाता है और क्या वाकई बेलगवा पंचायत के निर्माण कार्यों की जांच होती है या नहीं।

# प्रभारी कलेक्टर ने वर्षा से पूर्व की जाने वाली तैयारियों की समीक्षा की नगर निगम में स्थापित किया गया कंट्रोल रूम

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** रीवा शहर में बाढ़ आपदा एवं राहत कार्य के लिए जिला प्रशासन एवं नगर निगम रीवा की संयुक्त टीम का आदेश जारी कर दिया गया है शहरी क्षेत्र में बाढ़, अतिवृष्टि एवं जलभराव की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए नगर निगम का कंट्रोल रूम 24 घंटे सातों दिन सक्रिय कर दिया गया है बाढ़ आपदा से निपटने के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं प्रभारी कलेक्टर एवं निगम आयुक्त अक्षत जैन ने जिला प्रशासन, नगर निगम एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में बाढ़ आपदा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक की और निर्देश दिए कि जिन अधिकारियों को जो दायित्व सौंपे गए हैं वह उनका पूरी संवेदनशीलता के साथ निर्वहन किया जाना सुनिश्चित करें। आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत उन्होंने कहा कि रीवा शहर नदियों के किनारे बसा शहर है। अधिक वर्षा होने से बाढ़ की संभावना रहती है। शहर के निचले क्षेत्र बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र हैं, यहां प्रभावी बाढ़ राहत नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना अति-आवश्यक है। बैठक में वर्षा ऋतु के दौरान संभावित जलभराव, बाढ़ एवं आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी विभागों की जिम्मेदारियां तय की गई है सभी अधिकारी समन्वय के साथ दायित्वों को निर्वहन करें नगर निगम रीवा कार्यालय में तत्काल प्रभाव से कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जो प्रतिदिन 24 घंटे संचालित रहेगा नागरिक जलभराव, पेड़ गिरने विद्युत बाधित होने तथा पशु बचाव एवं मृत पशु उठाव से संबंधित शिकायतों के लिए टोल फ्री नंबर 18008899711 तथा दूरभाष क्रमांक 07662-254568, 07662-320105, 07662-310346, 07662-320150 एवं 07662-320329 पर संपर्क कर सकते हैं अनुराग तिवारी अनुविभागीय दंडाधिकारी हुजूर को संपूर्ण व्यवस्था के सुचारु संचालन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है अनुपम पाण्डेय, तहसीलदार एवं प्रकाश द्विवेदी, उपायुक्त वित्त नगर निगम सहायक नोडल अधिकारी के रूप में दायित्व संभालेंगे प्रभारी कलेक्टर ने इन अधिकारियों को निर्देश दिए कि मौसम विभाग से वर्षा पूर्वानुमानों पर सतत निगरानी रखें तथा आवश्यकता अनुसार अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित करें।

## परिवार के पहले शासकीय सेवक बने बाबूलाल, भारतीय सेना में हुआ चयन

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और लगातार संघर्ष के बल पर युवा अपनी मंजिलों को हासिल कर ही लेते हैं ऐसा ही कुछ कर दिखाया है रीवा जिले के ग्राम बुसौली नंबर 2 के निवासी बाबूलाल रावत ने बाबूलाल का चयन भारतीय सेना में हुआ है जिससे न केवल उनके गांव में बल्कि उनके शिक्षण संस्थान में भी हर्ष का माहौल है बाबूलाल रावत शासकीय आईटीआई रीवा के इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के छात्र रहे हैं उन्होंने बताया कि भारतीय सेना में शामिल होने का उनका यह सफर आसान नहीं था इस मुकाम तक पहुँचने के लिए उन्होंने पिछले चार वर्षों तक लगातार कड़ा संघर्ष और अथक परिश्रम किया है आखिरकार उनकी यह तपस्या रंग लाई और उन्हें देश सेवा करने का यह सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ बाबूलाल के इस चयन से उनका पूरा परिवार गौरवान्वित है। वे अपने पूरे परिवार के पहले ऐसे लड़के हैं जिन्हें शासकीय सेवा में आने और देश की रक्षा करने का सौभाग्य मिला है बाबूलाल ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन और उनके बहुमूल्य योगदान को दिया है अपनी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बाबूलाल ने कहा कि भारतीय सेना में चयनित होकर देश की सेवा करना उनके लिए एक बेहद गौरवशाली और सुनहरा मौका है वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा अनुशासन और सही तौर-तरीकों के साथ निभाएंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।